दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 03 : अंक : 317 | ग्वालियर, गुरुवार 24 दिसम्बर 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

किसानों ने सरकार के बातचीत के न्यौते को किया खारिज

कहा- आंदोलन को हल्के में न लें, आग से न खेलें

नई दिल्ली। नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन पर बैठे किसानों ने बुधवार को कहा है कि केंद्र सरकार सरकार आग से ना खेलें। आंदोलन को हल्के में ना लें। संयुक्त किसान मोर्चा का प्रेस कांफ्रेस कहा कि वो सरकार की ओर से मिले बातचीत के न्योते को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव पर कोई बातचीत संभव नहीं है।

बता दें कि किसान सरकार के प्रस्ताव को पहले भी खारिज कर चुके हैं। किसानों का कहना है कि सरकार तीनों कृषि कानूनों में संशोधन नहीं, रद्द करे। किसान नेताओं ने कहा कि हम तीनों कानून को रद्द करने के नीचे हम तैयार नहीं है। सरकार इस तरह के प्रस्ताव भेजकर सिर्फ साजिश रच रही है। हम पहले ही भी इसे खारिज कर चुके है। किसान सिर्फ अन्न पैदा नहीं करता है। उनके बेटे देश की सीमा पर सुरक्षा घेरा बनाते है। सीमा पर तैनात बेटों का भी मनोबल गिर रहा है। उनके मां-बाप सड़कों

पर है। हम सरकार को चेतावनी देते है कि वह आग से ना खेलें। किसान जो कि सड़कों पर आया है उसे सम्मान पूर्वक मान ले। किसान नेताओं का कहना है कि सरकार गुमराह कर रही है कि किसानों की हमने सारी बात मान ली है। किसान कभी भी बातचीत के लिए मना नहीं कर रहा है। मगर सरकार असल मुद्दे पर बात करें। किसान नेता शिवकुमार ने कहा कि केंद्र को प्रदर्शनकारी किसानों के साथ वार्ता के लिए अनुकूल माहौल तैयार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम गृह मंत्री अमित शाह को पहले ही बता चुके हैं कि प्रदर्शनकारी किसान संशोधनों को स्वीकार नहीं करेंगे। किसान नेता शिव कुमार कक्का ने कहा कि सरकार को अपना हठी रवैया छोड़ देना चाहिए और किसानों की मांगों को मान लेना चाहिए। ऑल इंडिया किसान सभा के नेता हन्नन मोल्ला ने कहा कि सरकार हमें थकाना चाहती है ताकि किसानों का आंदोलन खत्म हो जाए।

न्यूज ट्रैक

ब्रिटेन से लौटे संक्रमित यात्रियों में आधे हो सकते हैं कोरोना के नए स्ट्रेन का शिकार

नई दिल्ली। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन आने के बाद से नए सिरे से टेंशन बढ़ गई है. विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रिटेन से भारत लौटे यात्रियों में से संक्रमित पाए गए लोगों में से आधे यात्रियों में कोरोना के नए स्ट्रेन होने की संभावना है. ब्रिटेन से भारत लौटे 20 यात्री कोरोना संक्रमित पाए गए हैं. दरअसल, कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन जो कि ब्रिटेन में पाया गया है से पूरी दुनिया में हड़कंप मचा हुआ है. इसे लेकर अब भारत में भी अलर्ट है. क्योंकि ब्रिटेन से भारत आए 20 यात्री कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं. एक्सपर्ट्स के मुताबिक, बहुत संभव है कि इन पॉजिटिव पाए गए यात्रियों में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन दाखिल हुए हों और इन लोगों के जरिए ब्रिटेन का नया वायरस भारत में भी दाखिल हो गया है. अभी इंग्लैंड में संक्रमित लोगों में से 60 फीसदी लोग कोरोना के नए स्ट्रेन से संक्रमित पाए गए हैं. इस मसले पर हैदराबाद के डायरेक्टर डॉ राकेश मिश्रा ने इंडिया टुडे से खास बातचीत में कहा कि ÷हम जानते हैं कि ब्रिटेन के यात्री जो कल भारत आए हैं, उनमें से 20 कोरोना पॉजिटिव गए हैं. वहीं, वर्तमान में नए कोरोना स्ट्रेन कि चपेट में ब्रिटेन के 60त्न कोविड संक्रमित लोग आ चुके हैं. ऐसे में यह बहुत संभव है कि भारत आए इन 20 में से, आधे लोग नए स्ट्रेन के शिकार हों. हालांकि, एक्सपर्ट्स का यह भी कहना है कि उन लोगों की टेस्टिंग की जरुरत नहीं है जो एक महीना पहले इंग्लैंड से वापस लौटे हैं. गौरतलब है कि इस नए कोरोना स्ट्रेन क्क1.1.7 के चलते भारत समेत कई देशों ने ब्रिटेन के साथ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है.

फांसी की एक्टिंग कर सेल्फी ले रही थी बच्ची, कुर्सी फिसलने से गई जान

इंदौर। इंदौर में एक 12 साल की लड़की को सेल्फी लेने के चक्कर अपनी जान गंवानी पड़ी. बताया जा रहा है कि बच्ची अपने घर में कुर्सी पर खड़े होकर गले में फंदा लगाते हुए सेल्फी ले रही थी. इसी दौरान उसका बैलेंस बिगड़ा और फंदा उसके गले में कस गया और उसकी जान चली गई. यह मामला इंदौर के मां वैष्णोदेवी नगर का है. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और इस मामले की जांच में जुट गई है. पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त बच्ची के पिता घर पर ही मौजूद थे. जब बच्ची काफी देर तक कमरे से बाहर नहीं निकली तब परिजनों ने उसके कमरे में जाकर देखा तो वो फंद पर लटकी हुई थी. घबराकर परिजनों ने पड़ोसियों को बुलाया और बच्ची को नीचे उतारा गया. लेकिन तब तक उसकी सांसें थम चुकी थीं. फिर इसकी जानकारी पुलिस को दी गई. मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा. प्राथमिक जांच में पुलिस ने पाया कि फांसी लगाने के कारणों का तो पता नहीं चल पाया है. मौके से कोई साक्ष्य न होने से ऐसे लग रहा है कि बच्ची की मौत का कारण सेल्फी ही थी. जांच अधिकारी थाना एरोड्रम मनमोहन ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक तौर पर यह बात सामने आई है कि बच्ची ने सेल्फी के लिए फंदा गले में डाला था. इस दौरान कुर्सी सरक गई, जिस कारण वह फंदे पर लटक गई. फिलहाल आगे की जांच की जा रही है.

सिपाही ने महिला सिपाही के साथ किया बलात्कार सिपाही पति की शिकायत के बाद आरोपी गिरफ्तार

पटना। बिहार पुलिस के एक सिपाही को एक महिला पुलिसकर्मी के साथ बलात्कार के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. आरोपी सिपाही का नाम राजीव कुमार है जिस की तैनाती सहरसा जिले के पुलिस लाइन में है. पीड़ित महिला भी बिहार पुलिस में सिपाही है और उसकी तैनाती सासाराम में महिला बटालियन में है. इस पूरे मामले में महिला पुलिसकर्मी का पति, जो खुद बिहार पुलिस में सिपाही है उसने मंगलवार को राजीव नगर थाने में एफ आई आर दर्ज कराई जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार किया गया.

अमित शाह के शांति निकेतन जाने के अपने-अपने

सियासी मतलब निकाल रही बीजेपी और टीएमसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के पश्चिम बंगाल दौरे के अंतिम दिन शांति निकेतन जाने के बीजेपी और टीएमसी अपने-अपने मतलब निकाल रही है. जहां एक तरफ टीएमसी का कहना है कि आउटसाइडर की छवि को हटाने के लिए शाह शांति निकेतन में गए तो वहीं बीजेपी इस बात पर सहमत नजर नहीं आई. बीबीसी की खबर के अनुसार, बीजेपी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दो दिन के दौरे के आखिरी दिन क्या बाहरी का तमगा हटाने के लिए ही बीरभूम जिले में शांति निकेतन स्थित विश्वभारती विश्वविद्यालय पहुंचे थे? क्या इसका एक मकसद रवींद्रनाथ टैगोर की प्रशंसा कर बीते लोकसभा चुनावों से पहले ईश्वर चंद्र विद्यासागर की प्रतिमा टूटने से हुए नुकसान की भरपाई भी थी? शाह के दौरे से गरमाती राजनीति के बीच यहां राजनीतिक हलकों में यही सवाल उठ रहे हैं. सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की मानें तो इसका जवाब हां में है और बीजेपी के नेता इस बात से सहमत नजर नहीं आ रहे. ध्यान रहे कि ममता बनर्जी और टीएमसी के तमाम नेता बीजेपी और उसके नेताओं को बाहरी बताते रहे हैं.

ममता बार-बार कहती रही हैं कि बंगाल के लोग ही यहां राज करेंगे, गुजरात के नहीं. अमित शाह अपने दौरे में इस रणनीति की काट के लिए ही राज्य की तमाम विभूतियों से जुड़ी जगहों का दौरा कर रहे हैं. माना जा रहा है कि विश्वभारती विश्वविद्यालय का स्थान सबसे ऊपर है. अपने दौरे के आखिरी दिन 20 दिसंबर को अमित शाह ने विश्व भारती में जाकर रवींद्रनाथ टैगोर और महात्मा गांधी के आवासों को देखा और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की. उसके बाद उन्होंने उपासना गृह का दौरा किया और बाद में अपने सम्मान में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया. विश्वविद्यालय परिसर से बाहर निकलने से पहले पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कविगुरू की सराहना की थी. वहां से निकलने के बाद उन्होंने पार्टी के कुछ अन्य नेताओं के साथ बाउल कलाकार बासुदेव दास के घर दोपहर का भोजन किया और उसके बाद रोड शो किया. रोड शो में शाह ने दावा किया कि बंगाल में बदलाव की बयार तेज हो गई है और रोड शो में जुटी भीड़ इसका सबूत है. बाउल कलाकार के घर भोजन के बाद उन्होंने अपने एक ट्वीट में कहा कि बाउल कला बहुमुखी बांग्ला संस्कृति का सही प्रतिविंब है. विश्व भारती के दौरे पर टीएमसी ने कहा है कि गुरुदेव के विचारों को जाने बिना बीजेपी अपने सियासी फायदे के लिए उनका इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है.पार्टी के नेता सुब्रत मुखर्जी कहते हैं कि बीजेपी बाहरी है. वह बंगाल के महापुरुषों का महत्व समझे बिना उनका राजनीतिक इस्तेमाल करने का प्रयास कर रही है. उसे बंगाल की संस्कृति की समझ नहीं है. वहीं, प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष दिलीप घोष ऐसा नहीं मानते. उनका कहना है कि रवींद्रनाथ सिर्फ बंगाल के ही नहीं पूरे देश के गौरव हैं. अमित शाह का दौरा सामान्य दौरा था. पहले दिन वे मेदिनीपुर गए और दूसरे दिन विश्व भारती गए.

जेल में बंद गैंगस्टर चला रहा था गवाहों को धमकाने का रैकेट

मुंबई। महाराष्ट्र एटीएस ने गवाहों को धमकाकर केस को प्रभावित करने वाले एक नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है. इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब मादक पदार्थ से जुड़े मामले में एक गवाह को आर्थर रोड जेल में बंद एक गैंगस्टर के इशारे पर धमकी दी जा रही थी. दरअसल, जून 2015 में एटीएस ने मेफेड्रोन का निर्माण और वितरण करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था और लगभग 155 किलोग्राम कच्ची और तैयार मेफेड्रोन जब्त की थी. उस दौरान एटीएस ने साजिद इलेक्ट्रिकवाला सहित कुल सात लोगों को गिरफ्तार किया था. तभी से वो जेल में बंद है. आर्थर रोड जेल में ही साजिद की मुलाकात गैंगस्टर हरीश मंडविकार से हुई.

काठमांडू के होटल में महिला के साथ पकड़े गए थे बिहार के तीन जज, सभी बर्खास्त

पटना। बिहार सरकार ने सोमवार को निचली अदालत के तीन न्यायाधीशों को अनुचित आचरण के लिए सेवा से बर्खास्त कर दिया. यह तीनों न्यायाधीश जनवरी 2013 में नेपाल के काठमांडू में होटल के कमरे में एक महिला के साथ पकड़े गए थे. इसी घटना को लेकर तीनों न्यायाधीशों को बिहार सरकार ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है. जिन न्यायाधीशों को बिहार सरकार ने बर्खास्त किया है उसमें समस्तीपुर के फैमिली कोर्ट के तत्कालीन न्यायाधीश हरी निवास गुप्ता, अररिया के चीफ ज्यूडिशल मजिस्ट्रेट कोमल राम और अररिया के तदर्थ तत्कालीन अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जितेंद्र नाथ सिंह शामिल हैं. इन तीनों की सेवा से बर्खास्तगी फरवरी 12, 2014 से लागू होगी जब राज्य सरकार ने पहली बार पटना हाई कोर्ट की अनुशंसा पर बिना अनुशासनात्मक जांच के सेवा से बर्खास्त किया था.

यूपी के किसानों से 25 दिसंबर को संवाद करेंगे पीएम मोदी

ढाई हजार जगहों पर लगेंगी चौपाल

लखनऊ। 25 दिसंबर यानि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्मदिन पर पीएम नरेंद्र मोदी किसानों से फिर संवाद करेंगे. इस बार अवध के किसानों के पीएम मोदी नए कृषि कानूनों की खूबियां बताएंगे. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश बीजेपी कार्यकर्ता, केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर की चिट्ठी लेकर घर-घर जाएंगे. यही नहीं प्रधानमंत्री मोदी अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर 25 दिसंबर को पूरे उत्तर प्रदेश में ढाई हजार किसानों के चौपाल के साथ जुड़ेंगे. बीजेपी पूरे प्रदेश में ढाई हजार से अधिक जगहों पर किसानों से संपर्क का अभियान चलाएगी जिसमें प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे. उत्तर प्रदेश में किसानों को जोड़ने का यह सबसे बड़ा मेगा कार्यक्रम होने जा रहा है. अकेले अवध में 377 जगह होंगे जबकि पूरे उत्तर प्रदेश में ढाई हजार से ज्यादा जगहों पर कार्यक्रम होंगे. दूसरी ओर, दिल्ली में 28वें दिन किसानों का आंदोलन जारी है. किसानों ने टीम बनाई है. बातचीत के ड्राफ्ट तैयार हो रहे हैं.

बीजेपी ने दोहराया लोकसभा जैसा प्रदर्शन तो बंगाल में काफी अलग होगी सियासी तस्वीर

नई दिल्ली। नए साल के जश्न के साथ ही देश तैयार हो रहा है साल 2021 के सबसे बड़े सियासी दंगल के लिए. बिहार की रोचक चुनावी जंग के बाद लोगों को अब पूर्वी भारत के मजबूत किले पश्चिम बंगाल में भी रोचक मुकाबले की उम्मीद है. एक तरफ जहां ममता बनर्जी केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ मजबूती से मोर्चेबंदी में जुटी हैं तो वहीं बीजेपी ममता के किले में एक-एक कर सेंध लगाकर अपनी सेना मजबूत कर रही है. चुनावों की आहट के साथ ही टीएमसी के कई नेता ममता का साथ छोड़कर बीजेपी के खेमे में आ गए हैं जिससे बड़े सियासी उठापटक की अटकलें भी लगनी शुरू हो गई हैं.

कभी लेफ्ट और कांग्रेस का गढ़ रहा बंगाल पिछले एक दशक से ममता बनर्जी का अभेद्य सियासी किला बना हुआ है लेकिन पिछले 2 साल में बीजेपी ने ममता के इस मजबूत किले में जबरदस्त सेंधमारी की है. पहले पंचायत चुनावों में 500 से अधिक सीटें जीतकर, फिर पिछले लोकसभा चुनाव में 18 सीटों की जीत और अब मजबूत संगठन के जरिए विधानसभा चुनाव के लिए दमदार अभियान बीजेपी को लेकर उम्मीदों को मजबूत करता दिख रहा है. बंगाल में बीजेपी को लेकर सियासी अटकलें यूं ही नहीं मजबूत हुई हैं. पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों को अगर विधानसभा सीटवार देखा जाए तो बड़े बदलावों के संकेत मिलते हैं. इस चुनाव में बीजेपी ने लेफ्ट और कांग्रेस को पीछे छोड़कर राज्य के सियासी परिदृश्य में खुद को फ्रंट सीट पर काबिज कर लिया. बंगाल का ये वोटिंग पैटर्न राज्य के बदलते सियासी सीन के बारे में काफी कुछ कहता है.

कैसे रहे थे लोकसभा चुनाव के बंगाल में नतीजे ?

2019 के लोकसभा चुनाव में राज्य की 42 सीटों में से बीजेपी ने 18 सीटें जीतकर सबको चौंका दिया. बीजेपी को पिछले चुनावों की तुलना में सीधे 16 सीटों का फायदा हुआ, जबकि ममता बनर्जी की टीएमसी 34 से घटकर 22 सीटों पर आ गई. कांग्रेस को सिर्फ दो सीटें मिलीं और लेफ्ट फ्रंट का तो खाता भी नहीं खुला. बीजेपी को 40.64 प्रतिशत फीसदी वोट मिले जबकि टीएमसी को सिर्फ 3 फीसदी ज्यादा. बीजेपी का वोट शेयर 22 फीसदी बढ़ गया इस चुनाव में. वहीं कांग्रेस को सिर्फ 5.67त्न फीसदी वोट और लेफ्ट को 6.34 प्रतिशत फीसदी वोट मिले. उसी पैटर्न पर वोट हो तो विधानसभावार क्या होगी स्थिति? 2019 के लोकसभा चुनाव के बंगाल के इस नतीजे को अगर विधानसभा वार देखा जाए तो सियासी सीन काफी अलग नजर आता है. बंगाल की 295 विधानसभा सीटों में से 122 इलाकों में बीजेपी को बढ़त हासिल हुई. वहीं तृणमूल कांग्रेस 164 विधानसभा इलाकों में आगे रही.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

सेना के जवानों संग

अश्लील वीडियो बनाकर करती थी ब्लैकमेल, गिरोह सहित गिरफ्तार

> मेरठ जिले में सेना के जवानों को हनीट्रैप में फंसाने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. पुलिस ने मास्टरमाइंड युवती और उसके गिरोह का भंडाफोड़ किया है. पुलिस ने साइबर सेल की मदद से युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है.

उत्तर प्रदेश। दरअसल, सोशल मीडिया के माध्यम से मोबाइल नबंर बांटकर हनीट्रैप में फंसाने वाली युवती और उसके गिरोह का खुलासा हुआ है. पुलिस ने युवती और उसके साथी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. साइबर सेल और मेरठ पुलिस के साझा प्रयास में यह कार्रवाई हुई है. इस गैंग ने सेना के जवानों से ठगी भी की है. एसपी सिटी मेरठ अखिलेश नारायण ने बताया कि एक शख्स ने साइबर सेल और नौचंदी थाने में शिकायत की थी कि एक युवती और युवक ने गैंग बनाया हुआ है, जो कि हनीट्रैप से ब्लैकमेल करते हैं. वे कई लोगों को अपना शिकार बना चुके है. आश्चर्य की बात है कि ये लोग ज्यादातर सेना के जवानों को जाल में फंसाते हैं. इस मामले का खुलासा करते हुए थाना पुलिस ने क्षेत्र के कुटी चौराहे से आरोपी युवती और उसके साथी को गिरफ्तार किया. नौचंदी पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने कई वारदात करने की बात कबूल की है. इस गैंग की सरगना पहले दोस्ती करती थी, फिर सेना के जवान का अश्लील वीडियो बनाती थी, उसके बाद ब्लैकमेलिंग शुरू होती थी. इसी कड़ी में पुलिस ने आरोपी महिला और उसके साथी को मीडिया के सामने पेश किया है. यह गिरोह नौचंदी क्षेत्र निवासी एक युवक चलाता था, जबकि युवती लोगों को जाल में फंसाती थी. गिरोह के निशाने पर राजस्थान, हरियाणा और गुजरात के फौजी थे. हरियाणा के एक फौजी को मेरठ में युवती ने बुलाया था. युवती फौजी को होटल में ले गई, जहां पर उसकी अश्लील वीडियो बनाई. इस गिरोह की तलाश में नौचंदी थाने की पुलिस लगी हुई थी. आरोपी युवती की कई फर्जी आईडी मिली है. मोबाइल फोन्स और सिम कार्ड्स भी मिले हैं. अलग-अलग आईडी से युवती लोगों से बात करती थी. अब पुलिस ने युवती द्वारा हनीट्रैप में फंसे पीड़ितों का पता लगाना शुरू कर दिया है.

एक नजर....

अभाविप के 66वें राष्ट्रीय अधिवेशन का पोस्टर विमोचित

महेंद्र शर्मा ग्वालियर संभाग रिपोर्टर

मेहगांव। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेहगांव इकाई द्वारा नागपुर (महाराष्ट्र) में होने वाले 66वें राष्ट्रीय अधिवेशन (25-26 दिसम्बर 2020) का पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में भिंड - मोरेना विभाग संयोजक अस्वनी त्यागी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अस्वनी त्यागी ने बताया कि इस अधिवेशन में प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी अभाविप द्वारा दिये जाने वाला प्रा.यशवंतराव केलकर युवा पुरुस्कार की चयन समिति द्वारा वैशाली (विहार) के मनीष कुमार को युवाओं को स्थायी जैविक बहुप्रचलित खेती के सुपर मॉडल की ओर आकर्षित करने एवं युवाओ के कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा ग्रामीण रोजगार सृजन करने हेतु देने की घोषणा की है। अभाविप के प्रांत कार्यकारिणी सदस्य सचिन भदौरिया ने बताया कि नागपुर में यह अधिवेशन 25 दिसम्बर को दोपहर 3 बजे स्मृति मंदिर, रेशिमबाग में उद्घाटन किया जायेगा। उक्त कार्यक्रम में कोरोना संक्रमण के चलते प्रत्यक्ष रूप से देशभर से केंद्रीय कार्यसमिति के 200 कार्यकर्ता सम्मिलित होंगे। इसके पश्चात अभाविप के लाखों कार्यकर्ता देशभर में हर इकाई में ऑनलाइन माध्यम से अधिवेशन का आयोजन करेंगे। नागपुर में होने वाले इस अधिवेशन का छोटा रूप हमें हर इकाई में देखने को मिलेगा। मेहगांव नगर अध्यक्ष आनंद मोहन जैन और नगर मंत्री अनूप गौड़ ने बताया कि मेहगांव में इस अधिवेशन का आयोजन नगर परिषद स्थित स्वामी विवेकानंद सभागार में किया जायेगा। जिसका विधिवत उद्घाटन दोपहर 2¬30 बजे मेहगांव में किय जायेगा। उद्घाटन के पश्चात ऑनलाइन माध्यम से मेहगांव तहसील कार्यकर्ता नागपुर अधिवेशन से जुड़ेंगे और लाइव भाषण सुनेंगे। पोस्टर विमोचन के दौरान पंकज गौड़, संतोष गुर्जर, मनोज श्रीवास, प्रशांत गुर्जर, नित्यम तिवारी, प्रशांत शर्मा, प्रभात राजपूत, शिवा भदौरिया, आदित्य राठौर आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस पर ऑनलाइन साहित्यिक प्रतियोगिता की गई आयोजित

पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह द्वारा 22 दिसंबर 2020 को राष्ट्रीय गणित दिवस के अवसर पर एक ऑनलाइन साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका विषय गणित का महत्व रखा गया। इस प्रतियोगिता में देशभर के रचनाकारों ने भाग लिया और अपनी रचनाओं के माध्यम से मनुष्य जीवन में गणित की उपयोगिता तथा महत्व का वर्णन किया। समूह के निर्णायकों द्वारा रचनाओं की उत्कृष्टता और रचनाकारों द्वारा रचनाओं में गणित के महत्व के संबंध में दी गई जानकारी के आधार पर तीन सर्वश्रेष्ठ रचनाकारों वर्तिका अग्रवाल (वाराणसी, उत्तर प्रदेश), दिलीप भाटिया (चित्तौड़गढ़, राजस्थान), कृष्ण कान्त बडोनी (गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश) को पुनीत साहित्य रत्न सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस बार की प्रतियोगिता की महत्वपूर्ण विशेषता नए रचनाकारों द्वारा प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लेना था। समूह द्वारा भी नए रचनाकारों के प्रतियोगिता के प्रति उत्साह को देखते हुए, नए रचनाकारों को साहित्यिक क्षेत्र में आगे बढ़ाने की विशेष पहल के तहत डॉ. रानी गुप्ता (सूरत, गुजरात) और निरुपा कुमारी (कोलकाता, पश्चिम बंगाल) को पुनीत साहित्य पुष्प सम्मान देकर विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इसके अलावा प्रतियोगिता में नियमानुसार भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुनीत सहभागिता प्रशस्ति पत्र प्रदान करके साहित्य सेवा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष पुनीत कुमार जी ने? सभी प्रतिभागी रचनाकारों को बधाई तथा शुभकामनाएं दी और कहा कि पुनीत अनुपम साहित्यिक समूह इसी तरह आगे भी ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्रमों के माध्यम से साधारण लोगों में साहित्यिक रूचि उत्पन्न करता रहेगा तथा समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करता रहेगा।

दानवीर भामाशाह प्रतापराम सीरवी ने श्री आईजी सेवा समिति को दिया 51 हजार रूपये का आर्थिक सहयोग

नारायणलाल सैणचा चैणचा

चैन्नइ। सीरवी समाज में शिक्षा, चिकित्सा एवं संस्कारो के लिए कार्यरत प्रतिष्ठित स्वयंसेवी संस्था श्री आईजी सेवा समिति को खूले मन से दानशीलता की भावना से सौहार्द एवं

अनुकरणीय सहायता के लिए हमारे आदरणीय युग पुरुष भामाशाह एवं समिति रत्न प्रतापराम हांम्बड़ का ह्दय की गहराईयों से आभार व्यक्त करते हुऐ कोटि कोटि धन्यवाद देते हैं विन्रमता के धनी, समाजसेवा के प्रति पूर्ण समर्पित कमजोर लोगों के लिए सदैव तैयार रहने वाले मिलनसार सेवाभावी सज्जन प्रतापराम सीरवी ने समिति को सदैव अपनी और से बेमिसाल दानवीरता एवं त्याग के साथ हर संभव सहायता देकर हमारे आत्म सम्मान एवं संघर्ष को नई दिशा दी है।। आपके द्वारा निष्ठापूर्ण सहयोग समिति को अपने उद्देश्य में आगे बढने में महत्वपूर्ण और निर्णायक साबित हो रहा हैं मानवीय संवेदनाओं की भावना से जरूरतमंद लोगों के हित में काम करना प्रेरणादायक इतिहास बनते हैं ,,मानवीय संवेदनाओं की भावना के साथ समाज के जरूरतमंद लोगों के हित में काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को समाज में हमेशा सम्मान मिलता है. व्यक्तियों और संस्थाओं के नाम इतिहास में अमर हो जाते हैं,, मानव सेवा के लिए कार्य करने वाले लोगों को सब याद करते हैं. यह बड़ा पुण्य का काम होता है हमें आपके द्वारा जो सहयोग मिल रहा है उस पर बहुत बड़ा गर्व है आपने सदैव समिति को मजबूत करने के लिए पर्दे के पीछे से बहुत बड़ी भूमिका अदा की है इस संगठन को मजबूत करने में आपने सदैव पूर्ण त्याग एवं समर्पण के साथ अपना सर्वोच्च सहयोग दिया है ना पद की लालसा और ना ही अपने नाम के प्रचार-प्रसार की चाहत ऐसे निस्वार्थ भाव से आपने जो उदाहरण प्रस्तुत किया है वह अपने आप में काबिले तारीफ है।

असामाजिक तत्वों द्वारा श्मशान गृह में गायों को किया जा रहा बंद तीन गायों की हुई मौत

लहार(अर्पित गुप्ता)

नगर के वार्ड नंबर 13 पानी की टंकी के पास स्थित श्मशान गृह में असामाजिक तत्व रात्रि कालीन समय में गायों को बंद कर जाते हैं कई दिनों तक गायों के बंद रहने के कारण भूख प्यास सर्दी की वजह से गायों की मौत हो जाती है यह सिलसिला पिछले काफी लंबे समय से चल रहा है गौरक्षा संगठन प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता संतोष चौहान को जानकारी लगी तो वह मौके पर पहुंचे बस्ती के निवासी गौ भक्त देवी सिंह चौहान के सहयोग से बंद गायों को बाहर निकालने के पश्चात श्मशान गृह परिसर का निरीक्षण किया गया तो उसमें तीन गाय मृत अवस्था में डली मिली इस तरह पूर्व में भी उक्त श्मशान गृह परिसर में बंद की गई गायों मैं से कई गायों की मौत हो चुकी है लगभग 1 वर्ष पूर्व पर्यावरण संरक्षक समाजसेवी सुरेश चंद दुबे एवं देवी चौहान द्वारा.उक्त श्मशान ग्रह परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया था 50 की संख्या में फलदार छायादार वृक्ष लगाए गए थे प्रशासन द्वारा उनकी देखभाल सुरक्षा की व्यवस्था नहीं की गई असामाजिक तत्वों ने उन्हें भी उखाड़ कर नष्ट कर दिया संतोष चौहान ने प्रशासन से आग्रह किया कि उक्त श्मशान गृह में चौकीदार नियुक्त करें गायों को बंद करने वाले गायों की मौत की जिम्मेदार असामाजिक तत्वों पर दंडात्मक कड़ी कार्रवाई करें।

लहार की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा: मातादीन कुशवाह

लहार थाना में पदस्थ ए.एस.आई मातादीन कुशवाह का बिदाई समारोह सम्पन्न

लहार(अर्पित गुप्ता)

लहार की जनता से मिला प्यार हमेशा याद रखूंगा यह बात लहार थाना में पदस्थ ए.एस.आई मातादीन कुशवाह प्रभारी स्थान्तरित होकर ग्रह जिला दतिया हो जाने पर लहार थाने में हुए बिदाई समारोह के दौरान कही ए.एस.आई मातादीन कुशवाह लहार,दबोह,भिंड में अपनी सेवा देकर जनता का मन मोह चुके है वह काफी व्यवहार कुशल व व्यक्तित्व के धनी एवम सुलझे हुए व्यक्ति हैं।उन्होंने ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों को दोनों पक्षो के आपसी सामंजस्य से ही निपटाया है लहार एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल एवम थाना प्रभारी उपेंद्र छारी द्वारा उनके स्थानांतरण पर एक भव्य बिदाई समारोह की पार्टी का आयोजन किया एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल एबम थाना प्रभारी लहार उपेंद्र छारी द्वारा ए.एस.आई मातादीन कुशवाह का शॉल एबम श्रीफल देकर सम्मानित किया इस मौके पर लहार थाना उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह कुशवाह ने अपने मन के बिचार साझा किए और कहा कि मतादीन कुशवाह जी द्वारा एक अल्प समय मे जो सिखाया ओर जो प्यार दिया उसके लिए हम सब उनके सदैव आभारी रहेंगे और ईश्वर से यही प्रार्थना करेंगे कि बे जहां भी रहे स्वास्थ्य रहे और सदैव यूँही हंसते मुस्कुराते रहे इस मौके पर उपनिरीक्षक मलखान सिंह परिहार,मदन तोमर,पूजा दोहरे,आदिल खान,सहायक उपनिरीक्षक रविन्द्र सिंह सेंगर,तासीर खान, महेश सिंह,प्रधान आरक्षक अशोक शर्मा, आरक्षक रश्मि मिश्रा,सुनील शर्मा, पंकज शर्मा, प्रवेश दोहरे, उदयभान तोमर, श्याम गुर्जर, अजय गुर्जर, उग्रसेन गुर्जर, शैलेन्द्र सिंह,अनिल मिश्रा, बिशाल भदौरिया, मनीष जादौन, मुन्ना खान एवम समस्त स्टाफ प्रमुख रूप से मौजूद रहे ।

इटावा में समाजवादी पार्टी के जिलाअध्यक्ष रामगोपाल द्वारा किसान चौपाल लगाई गई

पुष्पांजलि टुडे इटावा रिपोर्ट ब्यूरो चीफ,रूप सिंह बंटी

इटावा– पक्का ताल भरथना क्षेत्र में सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने कहा कि भाजपा द्वारा कृषि विल लाकर भाजपा सरकार किसानों को कोपोरेट्स का बंधुआ मजदूर बनाना चाहती हैं कृषि विल को लेकर भाजपा सरकार द्वारा भ्रमित करने का काम किया जा रहा है।जबकि समाजवादी पार्टी की शुरू से मांग रही है कि किसानों की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करे सरकार और यही मांग किसानों की भी सपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि कड़ाके की सर्दी में किसान धरने पर बैठे हैं। वह जानते है कि इस विल से किसान बंधुआ मजदूर बन जायेंगे। इस सरकार में खाद ,कीटनाशक दबाओ के दाम तथा बिजली के दाम आसमान छू रहे हैं और जहां बिजली नही आती वहां बिजली का बिल जरूर आता है । जब किसान कृषि विल को लेकर आंदोलन कर रहे हैं सरकार द्वारा उन पर लाठीचार्ज और पानी बरसाया जा रहा और उनकी आवाज दबाई जा रही । समाजवादी पार्टी की सरकार के समय किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा था आने वाले समय मे सरकार का सफाया तय है।

जिम्मेदार अधिकारियों की लापरवाही के चलते नगर का मुख्य मार्ग बना वाहन स्टैंड

रोजाना घण्टो-घण्टो तक लग रहा लम्बा जाम, सात माह पहले व्यापारियों ने दिया था शिकायती आवेदन,पर नही हुई कार्यवाही

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नगर दबोह का मुख्य मार्ग कोंच रोड पर इन दिनों गाड़ियों का बाजार देखने को आसानी से मिल सकता है क्यों कि यहां रोजाना सैंकड़ो छोटी बड़ी गाड़ियां खड़ी होने का स्टैंड जो बना दिया गया है।विस्तार से जानकारी के लिए यहां

बता दें कि नगर के मुख्य मार्ग कोंच रोड पर जाम की स्तिथि खत्म करने के लिए 50-60 फिट चौड़ी सड़क का तो निर्माण करा दिया गया है परंतु लोगो को जाम की स्तिथि से निजात अब तक नही मिल पाई है क्यों कि सड़क के दोनों तरफ़ सुबह होते ही सैंकड़ो की संख्या में दर्जनों चारपहिया छोटे बड़े वाहन व ट्रक लगा दिए जाते हैं जिनसे आवागमन अवरुद्ध होता है और उसके बाद रोजाना घण्टो घण्टो तक जाम की स्तिथि बनी रहती है साथ ही वाहनों का दुकानों के सामने खड़ा होना भी दुकानदारो के लिए मुसीबत बना हुआ है क्योंकि सुबह होते ही यह लोग अपने अपने वाहन दुकानों के सामने खड़े कर देते हैं जिसकी वजह से व्यापारियों को व्यापार में परेशानी उतपन्न हो रही है।जिसके चलते आये दिन वाहन मालिकों के दुकानदारो से झगड़े होते रहते हैं साथ ही कोंच रोड स्तिथ दुकानदारों ने इस पर आपत्ति जताई है।यहां बताना मुनासिब होगा कि बीते माह पहले दुकानदारों ने थाना प्रभारी दबोह को एक लिखित आवेदन देकर इस समस्या से निजात मांगी थी जिसके बाद मौके पर पहुँचकर दबोह उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह चौहान व नप अमले ने वाहन मालिकों को कड़ी हिदायत देते हुए वाहन यहां न लगाने की चेतावनी भी दी थी परन्तु अब यह वाहन मालिक पुलिस प्रशासन व नगरीय प्रशासन को अंगूठा दिखाते हुए पुनः उसी जगह वाहन खड़े करने लगे है जिससे साफ़ स्पष्ट होता है कि इनके हौशले काफी बुलन्द हैं।परन्तु अगर पुलिस प्रशासन व नगरीय प्रशासन को इन पर शिंकजा कसना है तो वाहनों पर चालानी या फिर इन्हें जप्त कर थाने में रखने की कार्यवाही करनी होगी तो ही इस समस्या से निजात पाई जा सकती है।व्यापारियों ने कहा कि अगर इस समस्या से नगरीय प्रशासन व पुलिस प्रशासन निजात नही दिला पाया तो जल्द ही इस समस्या के खिलाफ वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायती ज्ञापन सौपा जाएगा और जरूरत पड़ी तो जिम्मेदार अधिकारियो की लापरवाही के चलते धरना भी दिया जाएगा।।

इनका कहना

1-थाना प्रभारी जी से बात हुई थी उनसे मिलकर जल्द ही वाहन चालकों के खिलाफ सामूहिक रूप से कार्यवाही की जाएगी।

बाबू लाल कुशवाह
सीएमओ नप दबोह

2-सीएमओ साहब ने इस सम्बंध में बताया हुआ था,मैंने उनसे बोला था कि जब भी आपको पुलिस फोर्स चाहिए हो बता दीजियेगा।

विनोद विनायक करकरे
थाना प्रभारी दबोह

नियम तोड़ा तो होगी कार्यवाही : उपेंद्र छारी

वाहन चालकों व दुकानदारों को दी सख्त हिदायत, बोले नियमो का करें पालन, थाना प्रभारी लहार खुद नगर पालिका अमले के साथ रहे मौजूद संभाली नगर की ब्यबस्थायें

लहार(अर्पित गुप्ता)

नगर में आये दिन लगते जाम ओर दुकानदारों द्वारा सामान रोड पर निकालकर रखने एबम बाइक सबारों द्वारा अपनी बाइकें इधर उधर लगाने से हो रहे अतिक्रमण के चलते लहार में आज थाना प्रभारी उपेंद्र छारी एबम नगर पालिका अमले एवम उनके स्टाफ ने खुद बाजार ब्यबस्था संभाली उन्होंने कुछ जगह दुकानों के बहार रखे सामान के कारण नगर में जाम जैसी स्थिति के चलते दुकानदारों के सामान को अंदर रखबाया ओर उन्हें सख्त हिदायत दी कि आगे से अगर रॉड पर सामान रखा दिखा तो कठोर कार्यवाही की जाएगी लहार थाना प्रभारी उपेंद्र छारी एवम सी.एम.ओ महेश पुरोहित ने एस.डी.ओ.पी अवनीश बंसल एवम एस.डी.एम आर.ए प्रजापति के सफल मार्गदर्शन में लहार नगर के ट्रैफिक की बेहतरीन ब्यबस्था बनाये हुए है और किसी को शिकायत का मौका तक नही दे रहे थाना प्रभारी की साफ स्वक्क्ष छवि ओर सभी के साथ एक जैसे ब्याबहार के चलते लोगो के दिलो में अपनी जगह बनाते हुए नजर आ रहे है थाना प्रभारी एबम नगर पालिका की टीम ने अपनी मेहनत और लगन से नगर के ट्रैफिक को एक तरफ ऐसे ब्यबस्थित करबाया जैसे कभी नगर में

ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई ही न हो इस मौके पर अमले में उपनिरीक्षक आदिलखान, बिशाल, उदयभान, अजय, शैलेन्द्र, अनिल मिश्रा, एवम नगर पालिका अमले से महेंद्र सिंह, संजू सिंह,रामू सिंह, मुब्बू पठान एबम स्टाफ प्रमुख रूप से मौजूद रहा । लगातार हो रहे प्रयासों के चलते नगर की ब्यबस्था को देखते हुए नगर के लोगो ने थाना प्रभारी महोदय एबम उनकी टीम की खुले शब्दो मे प्रसंसा की है ।

अजीतमल में नहीं संभल रहा विद्युत अधिकारियों का व्यवहार

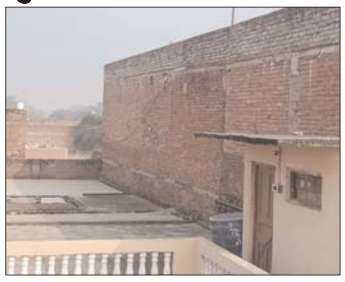

औरैया, अजीतमल तय शेड्यूल के मुताबिक भी नहीं मिल रही बिजली जब इसका कारण पूछा तो बिजली। रत्नेश ने की अभ्रद भाषा में बात की जिसका एक ओडियो वायरल। हुआ। अजीतमल क्षेत्र के सभी ग्राम व अजीतमल कस्बे के लोगों द्वारा बताया जा रहा है कि बिजली वहां अजीतमल के अधिकारी उनसे सही ढंग से बात नहीं करते और उनकी समस्याओं का समाधान भी नहीं किया जाता। वहीं कस्बे की कुछ घरों में बिजली विभाग अधिकारियों की मिलीभगत से चोरी से बिजली प्रयोग की जा रही है।

अम्बाह पीजी कॉलेज की रेडक्रास इकाई द्वारा कोरोना व मौसमी बीमारी से कैसे बचा जाये ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित...

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... आज 23 दिसम्बर को अम्बाह स्नातकोत्तर महाविद्यालय की रेड क्रॉस इकाई द्वारा कोविड 19 एवं मौसमी बीमारियों से बचाव विषय पर एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें अम्बाह सिविल हॉस्पिटल के क्ल्ल्ह कार्यक्रम डॉ. डी. एस. यादव मुख्य वक्ता के रूप में सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का प्रारम्भ रेड क्रॉस इकाई के प्रभारी प्रो मुकेश श्रीवास ने सभी का शाब्दिक स्वागत करते हुए किया तथा महाविद्यालय की रेड क्रॉस इकाई के कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर द्वारा सभी पंजीकृत छात्र छात्राओं को रेड क्रॉस के अन्तर्गत कार्य करने की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य द्वारा सभी नवीन पंजीकृत छात्र छात्राओं को समाजसेवा के कार्यों के लिए प्रेरित भी किया गया। कार्यक्रम में डॉ. यादव द्वारा कोविड जैसी महामारी से बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। आपने मास्क तथा सोशल डिस्टेंस की महत्ता पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इसी क्रम में डॉ. यादव ने वर्तमान में फैलने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों के संबंध में महत्वूर्व जानकारी छात्र छात्राओं को दी। कार्यक्रम के अंत में प्रो. शमीम गौरी द्वारा डॉ. डी.एस. यादव, प्राचार्य डॉ. शिवराज सिंह तोमर एवं कार्यक्रम में

सम्मिलित सभी का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के अतिरिक्त स्टाफ के सभी लोगों ने सहभागिता की। मुख्य रूप से रेड क्रॉस इकाई के अधिकारी डॉ. आनंद देशपांडे, डॉ. राजकुमार सिंह तोमर के साथ साथ प्रो. वी मेढेकर, प्रो. दिवाकर शर्मा, डॉ. दिवाकर श्रोत्रिय, अमित शर्मा, विजय उपाध्याय, उमेश राठौर आदि का विशेष सहयोग रहा। सम्पूर्ण कार्यक्रम गूगल मीट प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन मोड में आयोजित किया गया।

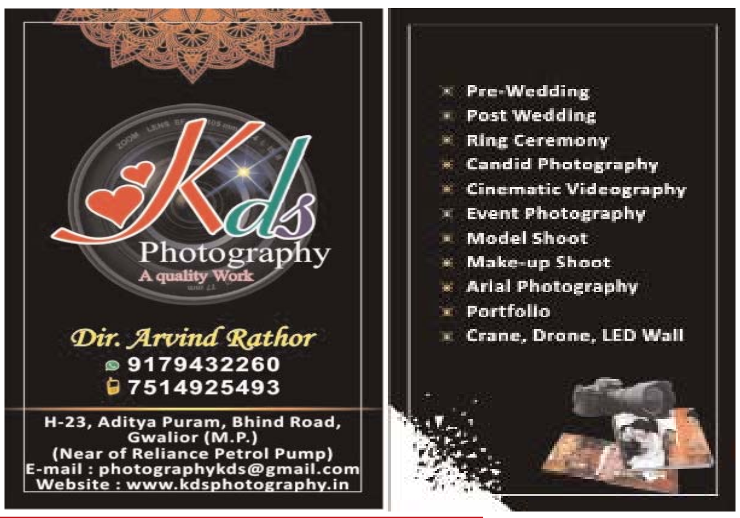

VISION 2030
ग्वालियर शहर में पहली बार हर सेवा और वस्तु बहुत ही सस्ती
जियो रीचार्ज एक माह 199 वाला केवल 180 में।
आइडिया और एयरटेल का रीचार्ज केवल 225/- में 249 वाला।
किराना का सामान सबसे सस्ता।
HOME TUITION का डेमो फ्री वो भी 15 दिन।
केक केवल 180/- में फ्री HOME DELIVERY के साथ।
टिफिन सेंटर खाना बिल्कुल घर जैसा।
ऐसे ही 5 लाख प्रोडक्ट्स और 50 से ज्यादा सेवाएँ
बस एक कॉल या वॉट्सएप्प, हर सेवा आपके पास।
Only WHATSAPP 9425823988
call-9691937250/- 9516003221

राहुल गांधी पर निशाना साध बोले स्वक्के गृह मंत्री

किसानों को भड़का रहा टुकड़े-टुकड़े गैंग

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली की सीमाओं पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने आंदोलन के पीछे टुकड़े-टुकड़े गैंग का हाथ बताते हुए कहा है कि ये ही लोग किसानों को भड़का रहे हैं। इसके साथ ही, मिश्रा ने मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को भी आड़े हाथों लिया है।

किसान आंदोलन को मिल रहे कांग्रेस के समर्थन पर नरोत्तम मिश्रा ने कहा, मुझे यह नहीं समझ आता है कि इन कृषि कानूनों में काला क्या है? टुकड़े-टुकड़े गैंग ही वह है, जो किसानों को भड़का और गुमराह कर रहा है। अभी तक, कोई भी काले कानून की व्याख्या नहीं कर सका है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता कमलनाथ जी, जो 15 महीनों में

कभी किसान के खेतों में नहीं गए, वे ट्रैक्टर की सवारी करेंगे। राहुल गांधी, जिन्होंने सोफा-कम-ट्रैक्टर चलाया, यह भी नहीं पता है कि आलू जमीन के ऊपर या नीचे बढ़ता है।

सरकार आंदोलनरत किसानों को लेकर संवेदनशील: राजनाथ

वहीं, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किसान आंदोलन को लेकर कहा है कि केंद्र सरकार आंदोलनरत किसानों को लेकर संवेदनशील है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी सूरत में किसानों का अहित नहीं होने देंगे। किसान दिवस के अवसर पर किए गए सिलसिलेवार ट्वीट में राजनाथ सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की और किसानों का अभिनंदन करते हुए कहा कि उन्होंने देश को खाद्य सुरक्षा का कवच प्रदान किया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि कृषि कानूनों को लेकर कुछ किसान आंदोलनरत हैं। सरकार उनसे पूरी संवेदनशीलता के साथ बात कर रही है। मैं आशा करता हूँ कि वे जल्द ही अपने आंदोलन को वापिस ले लेंगे।

आज और कल में निपटा लें काम, इस सप्ताह में लगातार तीन दिन बंद रहेगा पासपोर्ट ऑफिस

भोपाल। अगले कुछ दिनों में यदि आपको पासपोर्ट कार्यालय से सम्बंधित कोई कार्य कराना है तो यह ख़बर आपके लिए है। क्योंकि इस सप्ताह के अंतिम तीन दिनों तक (शुक्रवार, शनिवार और रविवार) लगातार पासपोर्ट सेवा केंद्र व पासपोर्ट कार्यालय बंद रहेगा। पासपोर्ट कार्यालय की तरफ से कहा गया कि इस सम्बंध में आवेदकों को अवगत कर दिया गया है। इस बाबत, क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी आर. बघेल ने बताया कि अगले दो दिनों में क्रिसमस त्योहार के चलते शुक्रवार को पासपोर्ट सेवा केंद्र और पासपोर्ट कार्यालय में अवकाश रहेगा। वहीं शनिवार और रविवार को दोनों जगहों पर अवकाश रहेगा। वहीं सोमवार से पासपोर्ट सेवा केंद्र और पासपोर्ट कार्यालय यथावत खुलेंगे। अवकाश के बारे में बात करते हुए रीजनल अधिकारी रश्मि बघेल का कहना है कि, इसके संबंध में हमने आवेदकों को सूचना दे दी है।

इंडिगो के विमान की भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग, बिगड़ गई थी यात्री की तबीयत

भोपाल। बेंगलुरु से दिल्ली जा रहे इंडिगो के विमान की मंगलवार देर रात भोपाल में इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। दरअसल, विमान में सवार एक यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। यात्री को भोपाल में उतारने के बाद विमान को सैनिटाइज किया गया और फिर वह दिल्ली रवाना हुआ। जानकारी के अनुसार इंडिगो एयरलाइन की उड़ान संख्या 6-2017 बेंगलुरु से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। विमान भोपाल एयर ट्रैफिक क्षेत्र से गुजर रहा था, उसी समय विमान में सवार भूषण कुमार नामक यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह बेहोश हो गया। इस पर विमान चालक दल ने तत्काल भोपाल के राजा भोज एयरपोर्ट पर एयर ट्रैफिक कंट्रोल रूम से संपर्क किया और पूरे मामले की जानकारी दी।भोपाल एटीसी ने विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराने की व्यवस्था की और एंबुलेस को

भी तैयार रखा गया। रात्रि करीब 9=15 बजे विमान की राजा भोज एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। **यात्री को उतारने के बाद टेकऑफ हुआ विमान-** विमान में सवार यात्री भूषण कुमार को विमान से उतारा गया। यात्री के साथ उसकी पत्नी एवं बेटी भी यात्रा कर रही थी, उन्होंने भी यात्रा स्थगित कर दी। यात्री को तत्काल एंबुलेंस से राजधानी के एक प्राइवेट अस्पताल ले जाया गया। एयरपोर्ट सूत्रों के अनुसार संभवत= यात्री को दिल का दौरा पड़ा था। यात्री एवं उसके परिवार को उतारने के बाद विमान रात्रि करीब 10=15 बजे पूरी तरह सैनिटाइज करने के बाद दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

मध्य प्रदेश में दो चरणों पर हो सकते हैं निकाय चुनाव, जल्द हो सकती है तारीखों की घोषणा

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग ने होने वाले नगरीय निकायों के चुनाव की तैयारियां पूरी कर ली हैं। ऐसा माना जा रहा है कि ये चुनाव फरवरी तक हो

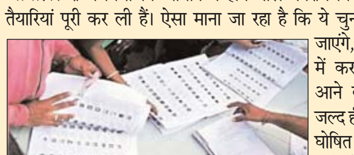

जाएंगे, वहीं इन्हे दो चरणों में कराने की योजना है। आने वाल कुछ दिनों में जल्द ही निर्वाचन कार्यक्रम घोषित कर दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक निकाय चुनाव को लेकर ईवीएम, सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए मतदान दल व मतदान केन्द्रों पर की जाने वाली जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। गौरतलब है कि यह चुनाव इसी साल एक जनवरी 2020 को आई मतदाता सूची से करवाया जाएगा। वहीं जिन निकायों की मतदाता सूची का पुनरीक्षण होना था, उनका बीते 13 दिसंबर को अंतिम प्रकाशन हो चुका है। कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए तय गया है कि किसी भी मतदान केंद्र में एक हजार से ज्यादा मतदाता नहीं होंगे।मतदान केंद्रों में कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सेनिटाइजर, मास्क और पर्याप्त शारीरिक दूरी का प्रबंध रहेगा। मतदाताओं को मतदान के लिए दास्ताने दिए जाएंगे। वहीं निकाय चुनाव को लेकर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरकार ने चुनाव की सारी तैयारियां पूरी कर ली हैं। अब केवल राज्य निर्वाचन आयोग को अंतिम निर्णय लेना है। मुझे उम्मीद है कि प्रदेश में फ़रवरी तक चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

एमपी बोर्ड 10वीं 12वीं परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव, नहीं होंगे दीर्घउत्तरीय प्रश्न

नई दिल्ली। एमपी बोर्ड 10वीं 12वीं परीक्षा पैटर्न में बड़ा बदलाव हुआ है। मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं या एमपीबीएसई) ने सत्र 2020-2021 की बोर्ड परीक्षा में 30 फीसदी प्रश्न ऑब्जेक्टिव पैटर्न में पूछने का फैसला किया है। एमपीबीएसई (एपी बोर्ड) ने कहा है कि तीन घंटे की परीक्षा में दीर्घउत्तरीय प्रश्न नहीं होंगे। परीक्षा पैटर्न में बदलाव की जानकारी मध्य प्रदेश शिक्षा विभाग ने ट्वीट करके दी। विभाग ने ट्वीट कर कहा - इस बार बोर्ड परीक्षा में 30 फीसद वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे, दीर्घ उत्तरीय नहीं होंगे। मंडल ने बोर्ड परीक्षा के पैटर्न में बदलाव किया है। नए पैटर्न का ब्लू प्रिंट वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। नए पैटर्न के मुताबिक अब सभी विषयों में 30 फीसदी ऑब्जेक्टिव आधारित, 30 फीसदी सब्जेक्टिव और 40 फीसदी

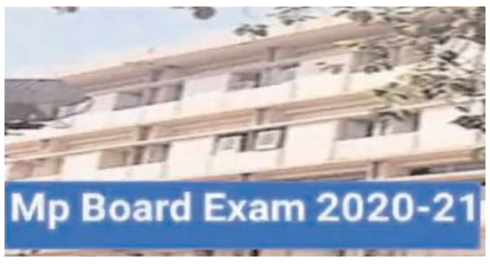

तार्किक प्रश्न रहेंगे। बोर्ड हर विषय के सिलेबस को तीन यूनिट में बांट दिया है। प्रश्नपत्र में अब दीर्घउत्तरीय प्रश्नों के बदले छोटे-छोटे प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनका उत्तर चैप्टर को पढ़ने व समझने के बाद ही दिया जा सकेगा। एक, तीन या चार अंक के ही प्रश्न होंगे। इससे पहले बोर्ड परीक्षा में 25 फीसदी ऑब्जेक्टिव व 75 फीसदी लघु व दीर्घउत्तरीय प्रश्न होते थे।

अब 31 दिसंबर तक भरें 10वीं और 12वीं के परीक्षा फॉर्म-एमपी बोर्ड 10वीं और 12वीं की ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की आखिरी तारीख को बढ़ा दिया गया है। बढ़ी हुई तारीखों के मुताबिक अब उम्मीदवार 31 दिसंबर, 2020 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अब ऐसे में जो भी स्टूडेंट्स 10वीं और 12वीं की परीक्षा फॉर्म भरने से चूक गए हैं, वे अब इस तारीख तक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बस हां स्टूडेंट्स इस बात का ध्यान रखें कि 10वीं और 12वीं की परीक्षा के लिए उम्मीदवारों को लेट फीस देनी होगी। इस संबंध में एमपी बोर्ड ने एक ट्वीट करके जानकारी दी है। बोर्ड ने ट्वीट में लिखा, 'शैक्षणिक सत्र 2020-21 की परीक्षाओं के लिए परीक्षा आवेदन पत्र अब 31 दिसंबर तक सिर्फ 100 रुपए विलंब शुक्ल के साथ जमा कर सकते है।

शासकीय राशन वितरण केंद्रों पर बीपीएल धारियों को कमतौल पर मिल रहा है राशन

भिण्ड। महाभ्रष्टाचार के लिए बदनाम खाद्य विभाग भिंड की कहानी भिंड में राशन की जो दुकानें हैं ना त ो समय पर खुलती है ओर न ही वहां राशन का वितरण होता है वहीं आगर राशन की दुकान की बात की जाए तो राशन की दुकानें खुलती तो है लेकिन कागजों में ही, वही बात वी आई पी आदमी की कहीं जाए तो उनके लिए समय पर ही सब कुछ उपलब्ध हो जाता है अब बात गरीब जनता की करें तो उनके के लिए महीने में एक बार राशन बांटा जाता है वह भी बट जाए तो ठीक है ना बट पाए तो कोई दिक्कत नहीं वही महाभ्रष्टाचारी निरीक्षण कर्ता की बात करें तो कागजों में निरीक्षण कर लिया जाता है, वही पर्दे के पीछे गोलमाल भी हो जाता है निरीक्षण करता फूड इंस्पेक्टर सुनील मुदगल की एक भी कार्यवाही सामने नही आई है सूत्र बताते हैं कि खाद्य इंस्पेक्टर सुनील मुद्गल की कार्यवाही तो होती है, लेकिन कार्रवाई में उन लोगों का नाम आता है जो सिस्टम में नहीं है, अगर सिस्टम की बात की जाए तो सूत्र ये भी बताते है कि इन्होंने राशन की दुकानों से हर महीने के लिए रुपए फिक्स कर दिए हैं जानकारी यह भी है कि इनको हर महीने रुपए से मतलब रहता है गरीब का राशन गरीब को मिले ना मिले कोई फर्क नहीं पड़ता इनका यह भ्रष्टाचार के कारण गरीबों को मिलने वाला निवाला अमीर लोगों की थाली में जा रहा है, इसके बाद राशन की दुकानों पर मनमानी जारी है अगर कोई शिकायत करेगा तो शिकायतकर्ता के आधार पर जाच चालू कर दी जाएगी लेकिन जांच के नाम पर राशन की दुकानों से रुपए हड़पने का काम जारी है भ्रष्टाचार की पूरी कहानी जल्द ही सामने आ जाएगी मध्य प्रदेश सरकार इस पर ध्यान दें गरीब लोगों की मानसिकता है यह हो गई है कि किस से करें शिकायत जिस से शिकायत करें वही धमकाने की कोशिश करता है भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है थोड़ी बहुत खानापूर्ति करके फिर शिकायतकर्ता को ही परेशान किया जाता है खाद्यान्न देने में परेशानी आती हैं गरीब अपना हक मांगता है लेकिन कंट्रोल चलाने वाला यह समझते हैं कि हम अपने घर से बांट रहे हैं और शिकायतकर्ता से दुश्मनी करने लगता है कंट्रोल से खाद्यान्न लेने वाले गरीब लोगों के बयान हैं और शिकायतकर्ता के नाम खोल दिए जाते हैं जिससे कंट्रोल वितरण करने वाला व्यक्ति उसे परेशान करता है खाद्यान्न विभाग आंखें बंद किए हुए बैठा है।

यूपी में ग्राम प्रधानों को चुनाव जीतते ही मिलेंगे 117 करोड़ रुपये

बरेली। ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 25 दिसंबर यानि क्रिसमस पर पूरा हो जाएगा। इसके बाद प्रधानों को गांव में किसी भी तरह का विकास कार्य करने का अधिकार नहीं रहेगा। गांवों में प्रशासक नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। 26 दिसंबर से प्रशासक जिम्मेदारी संभाल लेंगे। ग्राम निधि के खातों में करीब 60 करोड़ की रकम खर्च होने से बच गई। जबकि जनवरी में 15 वें वित्त आयोग की 57 करोड़ की किस्त आने वाली है। ऐसे में नए प्रधानों को शपथ लेते ही 127 करोड़ ग्राम निधि के खातों में मिलेंगे। कोरोना के संक्रमण काल में ग्राम प्रधानों को हाथ खोलकर सरकारी रकम को खर्च करने का मौका नहीं मिला। करीब सात महीने गांवों में ग्राम निधि से विकास कार्यों की रफ्तार थमी रही। लॉक डाउन ने हालत और बिगाड़ दिए। प्रधान अंतिम ओवरों में बेहतरीन बैटिंग नहीं कर सके। वोटरों

को लुभाने के लिए उनके घरों तक नाली खड़ंजा नहीं डलवा सके। ग्राम निधि के खातों में जमा रकम को देखते ही रह गए। बरेली की 1193 ग्राम पंचायतों में करीब 60 करोड़ की रकम खर्च होने से बच गई। हालांकि ग्राम प्रधान अंतिम दिनों में इधर-उधर के बिल लगाकर भुगतान कराने की कोशिश कर रहे हैं। जांच के डर से पंचायत सेक्रेटरी भुगतान के दस्तावेज साइन करने से घबरा रहे हैं। अब अप्रैल में ग्राम पंचायत का चुनाव होने की उम्मीद जताई जा रही है। धर्मेंद्र कुमार, डीपीआरओ ने बताया कि ग्राम प्रधानों का कार्यकाल 25 दिसंबर को समाप्त हो जाएगा। ग्राम पंचायतों में प्रशासक नियुक्त होंगे। ग्राम निधि के खातों में विकास कार्यों की कई करोड़ की रकम है। जनवरी में 15 वें वित्त आयोग की किस्त भी ग्राम निधि के खाते में जाएगी। 25 के बाद ग्राम प्रधानों को किसी तरह के भुगतान का अधिकार नहीं होगा।

रिश्वतखोरी में पकड़े गए आबकारी इंस्पेक्टर ने खोली विभाग की पोल, अफसरों का नाम उगला

मेरठ। मेरठ में रिश्वतखोरी में पकड़े गए आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर ने पूछताछ में अपने ही विभाग की पोल खोल दी है। बताया जाता है कि इंस्पेक्टर ने विभाग के तीन बड़े अफसरों के नाम लिए हैं। उन अधिकारियों तक रिश्वतखोरी का पैसा जाता था। विजिलेंस टीम ने मामले की गोपनीय जांच शुरू कर दी है। सोमवार को विजिलेंस सीओ सुधीर कुमार ने शराब ही दुकानों के ठेकेदार यतेंद्र शर्मा की शिकायत पर आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर अतुल त्रिपाठी को 66 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए दबोचा था। आरोपी इंस्पेक्टर अतुल त्रिपाठी को मंगलवार को कोतवाली पुलिस ने कचहरी स्थित एंटी करप्शन कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेजा। इस दौरान विजिलेंस की टीम, सतर्कता अनुष्ठान और कोतवाली थाने की पुलिस मौजूद रही। कोतवाली थाने से कचहरी तक आरोपी इंस्पेक्टर से मिलने वालों की कतार लगी रही। इंस्पेक्टर के जेल जाने के दौरान परिजन मौजूद रहे। जिला आबकारी अधिकारी आलोक कुमार ने आबकारी इंस्पेक्टर अतुल त्रिपाठी की रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय में भेजी।

पुलिस को चकमा देकर विकास दुबे के भाई दीप प्रकाश ने

कोर्ट में किया सरेंडर, पुराने मामले में गया जेल

कानपुर। पुलिस एनकाउंटर में मारे गए विकास दुबे के भाई दीप प्रकाश ने बुधवार को कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस कई दिनों से उसकी तलाश कर रही थी। पिछले हफ्ते दीप प्रकाश के लखनऊ स्थित घर पर कुर्की भी हुई थी। उसने कुर्की से पहले भी सरेंडर की कोशिश की थी लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस अब उसे रिमांड पर लेकर अब पूछताछ करेगी।

दीप प्रकाश 19 दिसंबर को भी कोर्ट में आत्मसमर्पण करने पहुंचा था लेकिन पुलिस को भनक लग गई जिससे वह फिर फरार हो गया था। दीप प्रकाश पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। उस पर लखनऊ के कृष्णा नगर थाने में जालसाजी समेत कई धाराओं में मामले दर्ज हैं। इसके पहले मंगलवार को विकास दुबे के कुछ और नजदीकी लोगों के असलहों के लाइसेंस जिलाधिकारी की कोर्ट में सुनवाई के बाद निरस्त

कर दिए गए। अंजलि दुबे, बाबू सिंह, अखिलेश कुमार उर्फ छोटे शुक्ला और रामचंद्र का लाइसेंस निरस्त हुआ है। इससे पहले भी विकास दुबे से जुड़े एक दर्जन से अधिक लोगों के लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं।

अनंत देव पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के साक्ष्य एसआईटी को मिले-बिकरू कांड में शहीद हुए सीओ देवेंद्र कुमार मिश्र ने आईपीएस अनंत देव पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगाए थे। सीओ की कॉल रिकॉर्डिंग वायरल होने के बाद इसका खुलासा हुआ है। एसआईटी को जांच में भ्रष्टाचार के साक्ष्य भी मिले हैं। इन रिकॉर्डिंग को एसआईटी ने अपनी जांच में शामिल किया है। वारदात के बाद तीस से अधिक कॉल रिकॉर्डिंग अब तक वायरल हो चुकी हैं। इसमें शहीद सीओ की पूर्वी डीजीपी, जय बाजपेई समेत अन्य कई अफसरों की बातचीत की रिकॉर्डिंग है। सीओ ने जिससे भी बात की, उससे अनंत देव के बारे में कुछ न कुछ जरूर कहा। उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। घर बनवाने से लेकर तमाम प्रापर्टी बनाने व सांठगांठ करने का भी जिक्र किया। इसी आधार पर एसआईटी की सिफारिश पर अनंत देव के कार्यकाल की जांच हो रही है। माना जा रहा है कि इस जांच के बाद विजिलेंस जांच शुरू होगी।

वार्ड नंबर 03 पूल, ने 14 वार्ड को किया पराजित

खेलो के प्रति प्रतिभाशाली युवाओं का नगर परिषद पूरा सहयोग करेगी-सीएमओ

दबोह(अर्पित गुप्ता)

दबोह किर्केट एशोसिएशन प्रीमियम लीग की अगुवाई में दबोह में आयोजित शासकीय इंटर कॉलेज के ग्राउंड पर खेले जा रहे वार्ड स्तरीय क्रिकेट टूनामेंट के चोथे दिन वार्ड क्रमांक 03 पूल् एवं 14 वार्ड के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया ।जिसमे वार्ड नंबर 03 के कप्तान नरेंद्र पाल एवं 14 वार्ड के कप्तान रियाज खान के बीच टॉस कराया गया ।जिसमें वार्ड क्रमांक 03 के कप्तान नरेंद्र पाल ने टॉस जीतकर सबसे पहले फील्डिंग को चुना जिसके जवाब में वार्ड क्रमांक 14 मात्र 72 रन बनाकर ही ऑल

आउट हो गई ।वहीं वार्ड क्रमांक 03 की ओर से शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करने वाले अरविंद नायक जिन्होंने तीन ओवर में मात्र 5 रन देकर 3 विकेट लिए इस तरह अरविंद नायक मेन ऑफ द मैच के हकदार बने उन्हें मुख्य नगर पालिका अधिकारी बाबू लाल कुशवाह द्वारा सम्मानित किया गया ।इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य नगर पालिका अधिकारी बाबू लाल कुशवाह ने कहा खेलो के प्रति अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का नगर परिषद हमेशा सहयोग करेगी ।नगर में वार्ड स्तरीय टीमों का चयन कर उन्हें खेलो के प्रति प्रोत्साहित करना आयोजन समिति का अच्छा प्रयास है । नगर परिषद आयोजन समिति के साथ हमेशा सहयोग करेगी ।इस दौरान विजेता टीम की ओर से मोनू पाल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया ।दूसरा मैच वार्ड क्रमांक 3 बी एवं वार्ड क्रमांक 05 के बीच खेला गया,जिसमे वार्ड 05 की ओर से 170 रनों का स्कोर खड़ा किया गया,जिसके जवाब में वार्ड 03 बी मात्र 10 ओवर में आल आऊट हो गई ।इस दौरान शानदार बल्लेबाज वार्ड क्रमांक 05 के सोएब खान को युवा नेता संदीप कौरव द्वारा मैन ऑफ द मैच के खिताब से सम्मानित किया गया ।इस दौरान आयोजन समिति में मुख्य चार सदस्य क्रिकेटर नरेंद्र पाल,ठाकुर शिशुपाल सिंह परिहार,क्रिकेटर शिवम् कौरव नन्हे राजा यादव ने सभी अतिथियों का सम्मान कर खिलाड़ियों से परिचय कराया ।इस दौरान मुख्य रूप से राजस्व निरीक्षक मुन्ना लाल जमोरिया,धमेंद्र सिंह राजावत,युवा नेता संदीप का सम्मान किया गया ।एम्पायर के रूप में पूर्व वरिष्ठ क्रिकेटर,रामनारायण सर एवं फैयाज खान रियाज खान ने की ।कॉमेंटेटर आकाश कौरव,राहुल,राघवेंद्र,पूर्व पार्षद श्यामू राजोरिया ने आंखो देखा हाल दर्शकों तक पहुंचाया ।स्कोरर पवन कुशवाह सुनील पाल इमरान खान,पूर्व पार्षद सलीम खान संदीप बचकिया,मीडिया प्रभारी अभी शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

पीएम मोदी के संसदीय कार्यालय पर प्रदर्शन से पहले कांग्रेसी घरों में ही नजरबंद, कई हिरासत में लिये गए

वाराणसी। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती 23 अक्तूबर को किसान दिवस के रूप में मनाते हैं। किसान दिवस के अवसर पर नए कृषि कानून के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेशव्यापी प्रदर्शन का आयोजन कर रही है। वाराणसी में कांग्रेस ने पीएम मोदी के संसदीय कार्यालय और भाजपा मंत्रियों के घर पर प्रदर्शन की तैयारी की थी। इससे पहले ही कांग्रेसियों को उनके घरों पर ही नजरबंद कर दिया गया है। प्रधानमंत्री के संसदीय कार्यालय और गुरुधाम चौराहे पर भारी फोर्स तैनात की गई है, ताकि कोई कांग्रेसी वहां तक न पहुंच सके। कई कांग्रेसियों को हिरासत में लिया गया है।

भेलूपुर पुलिस ने गुरुधाम चौराहे से पीएम मोदी के कार्यालय जा रहे कांग्रेसी नेताओं को हिरासत में लेकर थाने पर नजरबंद किया। वहीं, अपने घरों पर नजरबंद कांग्रेसियों ने सोशल मीडिया के जरिये अपनी आवाज को बुलंद किया। कहा कि सरकार लंबे समय से किसान संगठनों के संघर्ष को नजरअंदाज कर रही है। इसलिए किसान दिवस के दिन कांग्रेस पार्टी ने सभी जिले में क्षेत्रीय सांसदों और विधायकों के घर पहुंचकर उन्हें कुंभकर्णी नींद से जगाने के लिए ताली और थाली बजा कर प्रदर्शन करने का फैसला किया था। इससे पूर्व ही पुलिस ने कांग्रेस कार्यकर्तों को उनके ही घरों में नज़रबंद

कर दिया है। किसान दिवस पर पीएम के संसदीय कार्यालय और विधायकों के घर का घेराव करने की योजना को विफल होता देख कार्यकर्ताओं ने अपनी रणनीति बदल दी है। चांदपुर स्थित कैम्प कार्यालय पर नजर बंद कार्यकर्ताओं ने एक दिन का भूख हड़ताल और बांह पर काली पट्टी बांध कर अपना विरोध जता रहे हैं। कांग्रेस ने सरकार से नए कृषि कानून को वापस लेने की भी मांग की है। कांग्रेसियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय कार्यालय, मंत्री रविंद्र जायसवाल, मंत्री नीलकंठ तिवारी, मंत्री अनिल राजभर, विधायक सुरेंद्र सिंह ओढ़े, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक डॉ. अवधेश सिंह के घर ताली थाली बजाकर विरोध का एलान किया था।

इन नेताओं को किया नजरबंद-जिला अध्यक्ष राजेश्वर पटेल, महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे, प्रदेश सचिव युवा कांग्रेस चंचल शर्मा, महानगर अध्यक्ष मयंक चौबे, पूर्व प्रदेश सचिव वीरेन्द्र कपूर, छात्र नेता शुभम सिंह सहित दर्जनों कांग्रेस नेताओं के घर प्रशासन ने पुलिस का पहरा लगाया है। खजुरी स्थित कैम्प कार्यालय में कांग्रेस नेता मनीष चौबे और मयंक चौबे को भी नजरबंद किया गया है। कैम्प कार्यालय में जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह पटेल, जिला उपाध्यक्ष डॉ जितेंद्र सेठ, ओम शुक्ल को नजर बंद किया गया है।

अचानक पेड़ से बरसने लगे 500-500 के नोट, नीचे लूटने के लिए अफरातफरी

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर जिले में एक पेड़ से 500-500 के नोटों की बारिश होने से लूटने के लिए अफरातफरी मच गई। जैसे-जैसे इसकी जानकारी आसपास हुई लोगों का हुजूम विकास भवन स्थित रजिस्ट्री दफ्तर के बाहर पेड़ के पास उमड़ पड़ा। पता चला कि एक बुजुर्ग के पास से नोटों की गड्डी लेकर बंदर पेड़ पर भाग गया है। किसी तरह लोगों ने रुपये इकट्ठा किये और बुजुर्ग को सौंप दिया। इससे पहले आगरा में भी इसी तरह की एक घटना हुई थी।

रजिस्ट्री कार्यालय पर जमीन बेचकर बाहर निकले बुजुर्ग के हाथ में नोटों की गड्डियां देखकर बंदर ने खाने की चीज समझी और झपट्टा मार कर छीन लिया।। इससे पहले कि कोई कुछ कर पता वह 500 रुपये की गड्डी लेकर पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ से ही वह नोटों की बारिश

करने लगा। बंदर की इस करतूत का कुछ लोगों ने वीडियो भी बनाना शुरू कर दिया। मामला शहर कोतवाली क्षेत्र के विकास भवन परिसर स्थित रजिस्ट्री कार्यालय का है। बताया जाता है कि खैराबाद कस्बे के ग्राम कासिमपुर निवासी भगवानदीन ने अपने बेटे के इलाज के लिए गांव के ही एक व्यक्ति को जमीन बेची थी। पीड़ित भगवानदीन के मुताबिक जब रजिस्ट्री कार्यालय आकर उन्होंने जमीन की रजिस्ट्री कराई तो उन्हें जमीन के बदले 1 लाख रुपये मिले थे। बुजुर्ग जब तक पैसे समेटकर बैग में रख पाते, तब तक वहां बैठे बंदर ने खाने की चीज समझकर 500 के नोटों की एक गड्डी उठा ली और पेड़ पर चढ़ गया। पेड़ से नोटों की गड्डी खोलकर नीचे गिराने लगा। नोट गिरता देख लोग लूटने लगे। काफी लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पेड़ से अचानक नोटों की बारिश होते देखकर लोगों से बुजुर्ग ने मदद की गुहार की। लोगों ने भी उनकी मदद की और जमीन पर बिखरे नोटों को समेटकर बुजुर्ग को सौंपा। लोगों ने लाठी-डंडों के सहारे बंदर खदेड़ा तो वह नोटों की गड्डी छोड़कर भाग गया। बुजुर्ग के मुताबिक तकरीबन 7 हजार के नोट खराब हुए हैं या फट गए हैं। बुजुर्ग का कहना है कि उसने यह जमीन अपने बेटे के इलाज के लिए बेची थी, क्योंकि वह गंभीर बीमारी से पीड़ित है।

सम्पादकीय

यह कैसा किसान आंदोलन?

भ्रष्ट होती राजनीति आज देश को पतन की ओर ढकेल रही है। जो पार्टियां चुनाव में जनता के द्वारा नकार दी जाती हैं, वह सत्तारूढ़ पार्टी के द्वारा बनाए गए हर कानून का विरोध करती नजर आती हैं। जब आर्टिकल 370 हटाया गया, सीएए बनाया गया और अब नया कृषि कानून बनने पर भी ये सभी विरोधी पार्टियां विरोध में ही खड़ी नजर आ रही हैं। लोकतंत्र की व्यवस्था में विरोधी पार्टियों का होना बहुत जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ पार्टी निरंकुश होकर मनमानी न कर सके और उसके द्वारा उठाए गए गलत कदमों का संसद में विरोध हो सके, किंतु अब तो समस्या यह होती जा रही है कि ये विरोधी पार्टियां सरकार को कोई काम ही नहीं करने देना चाहतीं। ये नहीं चाहतीं कि सरकार की अच्छी छवि जनता के बीच बने और इसलिए उसके हर कदम की भरपूर निंदा और विरोध करने पर तुली रहती हैं। विरोधी पार्टियों के इस रवैये के कारण न तो देश का विकास संभव है और न ही देश की बड़ी-बड़ी समस्याओं का निराकरण। इसलिए अब तो लगता है कि शासन व्यवस्था का यह रूप देश के सर्वांगीण विकास के मार्ग को अवरुद्ध करता जा रहा है। आजकल देश में किसान आंदोलन जोरों पर है, किंतु इस आंदोलन का जो स्वरूप सामने आ रहा है उससे लगता है कि ये आंदोलन किसान आंदोलन न होकर एक राजनीतिक स्वार्थ से भरा आंदोलन बनकर रह गया है। आंदोलन के नाम पर आजकल दिल्ली और सरकार को घेरने का ट्रेंड चल गया है। किसानों को अन्नदाता कहकर उनसे झूठी हमदर्दी दिखाने वाले क्या सचमुच अन्नदाता का भला चाहते हैं? यदि ऐसा है तो उन्हें अधिक लाभ कमाने के अवसर देने के खिलाफ क्यों खड़े हैं? किसानों के मन में अनेकों भ्रम और शंकाएं पैदा की जा रही हैं, किंतु जो सच्चा किसान है वह वास्तविकता को समझता है और इसीलिए आज पंजाब और हरियाणा के अलावा देश के दूसरे हिस्से के किसान इस आंदोलन में शामिल नहीं हैं। यह आंदोलन का कैसा विकृत रूप है जहां कुछ महिलाएं देश की जनता द्वारा चुने हुए प्रधानमंत्री की मृत्यु के गाने गा रही हैं। देश विरोधी लोगों के पोस्टर लगाना, खालिस्तान के पोस्टर लगाना यह दर्शाता है कि इस किसान आंदोलन को अब अल्ट्रा लेफ्ट संगठनों ने हाईजैक कर लिया है। स्वार्थी तत्व किसानों के कंधे पर रखकर बंदूक चलाने की फिराक में हैं और देश को हिंसा की आग में झुलसाने की चाल चली जा रही है। आज जो नेता नये कृषि कानूनों का विरोध करने के लिए पंजाब के किसानों के साथ खड़े दिखाई देते हैं उन्हीं में से कई नेता पहले इन्हीं कानूनों की प्रशंसा कर रहे थे। ये नेता केवल किसान आंदोलन का फायदा उठाकर चुनाव जीतना चाहते हैं। कांग्रेस खुद ही पूर्व में एम पी एम सी एक्ट में सुधार करने की बात करती रही है। अपने ही घोषणा पत्र में जनता से किए हुए वादों को भुलाकर वह विरोध कर रहे किसानों के पक्ष में खड़ी है। विरोध करने वाले कुछ राजनेता पहले कहते थे कि कांट्रैक्ट फार्मिंग होगी तो किसान टेंशन फ्री हो जाएगा, किंतु अब कह रहे हैं कि कांट्रैक्ट फार्मिंग होगी तो पूंजीपति किसानों की जमीन पर कब्जा कर लेगा। ये पहले कहते थे कि प्राइवेट कंपनी आएंगी तो किसान मालामाल हो जाएंगे, अब कह रहे हैं कि किसान कंगाल हो जाएंगे। पहले कहते थे कि आढ़तिए किसानों को लूटते हैं, किंतु अब उन्हें किसानों का दोस्त बता रहे हैं। इन स्वार्थी नेताओं का ये दोहरा चरित्र केवल अपने राजनीतिक स्वार्थ के कारण है, उन्हें देश और देश की जनता के भले की कोई चिंता नहीं है। अपने शासनकाल में तो इन्होंने किसानों की समस्या का निदान करने के लिए कोई कारगर कदम उठाया नहीं और अब जब मोदी सरकार देश के किसानों को मजबूत बनाने का प्रयास कर रही है तो ये सरकार का विरोध कर सरकार की छवि जनता के बीच खराब करने का प्रयत्न कर रहे हैं और इन कानूनों को किसानों के लिए काला कानून बता रहे हैं।

चाय के बदलते मायने

सुबह की चाय के मायने बदल गए है। चाय अकेली पड़ गई है, कितनी सारी चीज़ें छोड़ गई चाय का साथ। वक्त के साथ हमारे जीवन में परिवर्तन के चलते सुबह ने रफ़्तार पकड़ ली है। अलार्म की घंटी बजते ही इंसान भागता है दिन रथ के घोड़े तैयार होते है। गृहिणी से लेकर ढ़ाई साल के बच्चे तक सब दौड़ते है। कहाँ वो सुकून सभर सुबह की आह्लादित फ़्रेश फ़्रेश सोच-खिलखिलाती रश्मियाँ खिड़की से झाँकती जगाती थी। अब पोल्यूशन की परतों के बादल छाए है, बाल्कनी में झुले पर बैठे टी टेबल पर रखे टी पोट में से घूँट-घूँट की लज्जत लेते परिवार के हर मुद्दों की चर्चा और समाधान के साथ अखबार की सुर्खियाँ देखते दिन की शुरुआत होती थी। गर्मा गर्म आलू के पराठों की जगह ब्रेड बटर ने ले ली है चाय इसीलिए तो रोती है, अब लोग फ़्रस्ट्रेशन में चाय पर चाय उड़ाते है। हम सबके वक्त ने अब रफ़्तार पकड़ ली है ज़िंदगी की आपाधापी ने इंसान से सुकून छिन लिया है, अखबार को छूते ही पोरें जल जाए ऐसी सनसनीखेज खबरें पढ़ कर आहत होते मन से दिन की शुरुआत ही दहला देने वाली होती है। समाज में फ़ैली गंदगी की बू अखबारों से आती सीधी उतर जाती है मन के भीतर चाय की रंगत को रौंदती। ना टीवी कोई खुशियों की सौगात देता है। सोफ़े पर टांग पर टांग चढ़ा कर बैठकर चाय का मग हाथ में लिए जो रामायण महाभारत के मजे लेते थे आज वहाँ सियासती दंगल ने अपना डेरा ड़ाल रखा है। ना परिवार के सदस्यों के पास धीरज या समय है जो शांत मन से अपनेपन से फुर्सत के चार पल एक दूसरे के हालचाल पूछने में बिताए, सबकी अपनी ज़िंदगी है। कुछ पाने की चाह में चिड़चिडे से जूझते रहते है। घर के बुजुर्ग अपनी 6/8 की खोली में ठंडी ठिठुरती चाय की प्याली संग उस ज़माने को मन ही मन दोहराते पड़े रहते है, उस आस में की काश कोई पास बैठकर पूछे दो पल मेरे साथ भी बिताए। अब चाय ढूँढ रही है अपना वजूद अपने मायने इंसानो की दौड़ में गोता खाते जो खो गया है। अब जगह बदल गई है चाय की टपरी पर बैठने वाले मैख़ाने की चौखट पर जा बैठे है, कहाँ वो रंगत रही जहाँ चाय की वाली पर चार यार जमा होकर हंसी ठिठोली करते थे। हम खुद से ही अंजान होते चले जा रहे है चाय को भूलकर व्हिस्की बियर में अपना वजूद खोते जा रहे है।

(भावना ठाकर, बेंगलोर)ग़भावु

जीवन

जीवन एक अनमोल रत्न
जिन्दगी एक साधना
कर्म एक तपस्या और
कर्मफल उसका सौगात
सुख और दुःख अंशफल
कर्मभोग ना -ना प्रकार
मोत एक अनोखा सच
कारण इसके कई हजार
न किसी वश मे कुछ
एक ही इसके सुत्रधार
न कुछ मेरा न कुछ तेरा
मालिक सबका पालनहार

शिवनन्दन सिहं
साधुडेरा बिरसानगर

प्रिय पुनीता

मैं चुनती हूं रोज कलम अपनी
कलम ने भारतीय नारी को चुना
हर वक्त खोजती रही मैं नया
मुझे अपनी ही मातृभूमि में मिला।।
है नमन , हे भारतीय नारी तुम्हें
अबला नहीं सबला बनकर
जब तुमने है दिखलाया ,
पुरुषों की नगरी में भी तुमने
अपना परचम लहराया ।।
ऐसी ही एक महिला है
जिनकी निष्ठा मातृभूमि के संग
जिस दिन जन्मी वह कृषक के घर
उस दिन मातृभूमि को सम्मान मिला ।।
मातृभूमि की सेवा की जिद ने
नेतृत्व की परिभाषा बतलाई
निष्ठा रखकर भारत के प्रति
भारतीय सेना में नाम किया।।
है गर्व मुझे हर उस महिला पर
जो समर्पित हैं देश के लिए ,
मात-पिता की शिक्षा पाकर
कुछ ऐसा ही श्रीमती पुनीता जी ने किया।।
सेवा ही है सच्ची मेवा,
यह दुनिया को है बतलाया

वन प्रथम महिला नौसेना में ,
परम विशिष्ट सेवा का सम्मान लिया।।
प्रथम महिला के रूप में
श्रीमती पुनीता जी ने भी
नारी शक्ति को बतलाया
पुरुषों की नगरी में रहकर
जिनको पुरुषों सा सम्मान मिला।।
नारी शक्ति को प्रणाम
जय हिंद जय भारती

प्रतिमा दुबे अभिलाषी
ग्वालियर मध्य प्रदेश

धुए में उड़ती जिंदगी: सबब जरूरी

धूम्रपान एक जानलेवा शौक है जिसे दुनिया भर में बड़े चाव से अपनी जान के लिए सांसत बनाया जा रहा है।बुजुर्ग पीढ़ी से चला इसका शौकियाना अंदाज युवा पीढ़ी पर नशा बन कर छा चुका है। युवाओं को इसका चस्का इस कदर लग चुका है कि वह तंबाकू से लेकर मादक पदार्थों को चाय पान की तरह ले रहा है। भले ही सिगरेट जैसे धूम्रपान साधनों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी लिखी हुई हो पर नशे में डूबी पीढ़ी को इसे पढ़ने की फुर्सत ही कहां है? दुनिया भर में सिगरेट पर सख्ति के मामले में हमारा पिछड़ापन तो यही कहता है कि अभी युवाओं को सचेत करने की महती जरूरत है। धूम्रपान स्वास्थ्य के लिए एक ऐसा शौक है जो लगते ही कई बीमारियों को आमंत्रण दे बैठता है। सिगरेट आज शौकिया तौर पर पी जाने के मुकाबले नशे के तौर पर ज्यादा उपयोग में आ रही है। युवा पीढ़ी पूरी तरह इसकी गिरफ्त में है। छोटे-छोटे युवावय धुएं के छल्ले उड़ाते नजर आते हैं। इस मामले में परिवार के संस्कार भी बच्चों की मानसिकता पर पूरी तरह हावी रहते हैं। शराबी का लड़का शराबी भले ही न बने पर धूम्रपान का शौक परिवारों में पीढ़ी दर पीढ़ी नजर अवश्यआता है। यही वजह है कि उन परिवारों में कुछ बीमारियां भी वंशानुगत होती ही है। कोरोना संक्रमण के बाद जब इसके प्रसार की वजह जांची गई तो उनमें लार से भी इसके फैलने की आशंका व्यक्त की गई थी। धूम्रपान करने वाले अक्सर एक ही सिगरेट से इसका आनंद लेते हैं ऐसे में संक्रमित व्यक्ति का कश दूसरे के लिए बीमारी की वजह बन सकता है। इस बात को लेकर चिंता भी जताई गई थी। उम्मीद यही थी कि लोग शायद इसे गंभीरता से लेंगे मगर लगता है लोगों ने इस चेतावनी को भी हवा में ही उड़ाया है। आज वही पुराने ढर्रे से लोग धुएं के गुबार उड़ाते दिखते हैं। सरकार की सख्ती से सार्वजनिक स्थलों का दुरुपयोग जरूर कम हुआ है बावजूद इसके शौकीन धूम्रपान बेइंतेहा जारी है। धूम्रपान पर प्रतिबंध के लिए प्रयास जारी जरूर है मगर वो भी सारे कागजी ही है क्योंकि कंपनियां कागजों पर इसके स्वास्थ्य के लिए जानलेवा होने की जानकारी छाप कर अलग हट जाती है जिससे इस पर नियंत्रण संभव नहीं है। महज कागजी प्रयासों का ही नतीजा है कि आज भारत दुनिया में सिगरेट पर सख्ती में पंचानवे स्थान पर है जो गंभीर चिंता का विषय है। सख्ती के अभाव में ही इसके उपयोगकर्ताओं की भीड़ बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य में बीमारियों का जंजाल फैलना तय है। कोरोना से भले ही सबक न ली हो पर सिर मंडराते इसके खतरे को भांप कर इस पर सख्त होना समय की मांग है। जब तक इसकी गंभीरता को जाहिर कर उसका व्यापक प्रचार-प्रसार और सख्ती नहीं की जाएगी न बीमारियां रुकेगी न दुनियां में हमारी स्थिति सुधरेगी । कुछ चिंता पालको को भी करनी होगी जो अपने लाडलो की तरफ से बेफिक्र होकर बैठे हैं। अगर सरकार के साथ ही साझा प्रयास हो तो आसानी से धूम्रपान नियंत्रण की उम्मीद की जा सकती है।

अमृतलाल मारू रवि
दसई धार मप्र

बाल देखभाल संस्थानों और परिवार में बहाल किए बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं के लिए 2000 मासिक दें: सुप्रीम कोर्ट ने दिशानिर्देश जारी किए

बच्चे हमारे देश का भविष्य कार्यपालिका न्यायपालिका का चिंतन जरूरी - एड किशन भावनानी

गोंदिया- वैश्विक स्तर पर कोविड - 19 महामारी ने हर क्षेत्र को हर उम्र के हर पड़ाव पर पहुंचे इंसानों पर कहर की तरह बरपी यह महामारी और इंसान इसमें रक्षात्मक दिशानिर्देशों में 10 साल तक के बच्चों और 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों को अधिक सुरक्षित रहने की सलाह व इनके बाहर निकलने पर रोक लगाई गई थी उसमें भी बच्चों के ऊपर अधिक सुरक्षात्मक उपाय पालकों तथा प्रशासन व न्यायपालिकाओं के दिशा निर्देशों से बच्चों के ऊपर अति सावधानी से नजर रखी गई जो कि अभी भी क्रम जारी है और ऐसे राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ऐसे संस्थान जहां बच्चों का निवास है जैसे बाल देखभाल संस्थाएं,बाल सुधार गृह, आंगनवाड़ी इत्यादि अनेक ऐसी संस्थाएं हैं जहां बच्चों का निवास व जमवाड़ा होता है और उनकी सुरक्षा व शैक्षणिक व्यवस्थाएं होती है।माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस संबंध में एमिकस क्यूरी भी नियुक्त की थी जो बच्चों की शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुझाव देने के लिए बनाई गई थी जो कि वह रिपोर्ट आई और माननीय सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट के आधार पर दिशानिर्देशों को जारी कर दिया है सुप्रीम कोर्ट की 3 सदस्य माननीय बेंच जिसमें न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव माननीय न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और माननीय न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की बेंच ने अपने आदेश में निम्नलिखित निर्देश दिए गए हैं।आज से 30 दिनों की अवधि के भीतर जिला बाल देखभाल सुरक्षा इकाइयों (डीसीपीयू) द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर ऑनलाइन कक्षाओं के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, किताबें, स्टेशनरी, प्रिंटर और अन्य उपकरण प्रदान करें। राज्य सरकारें यह सुनिश्चित करेंगी कि विभिन्न सीसीआई में बच्चों को पढ़ाने के लिए आवश्यक संख्या में शिक्षक भी उपलब्ध कराए जाएं। अगले वर्ष आयोजित होने वाली अंतिम परीक्षाओं की तैयारी में बच्चों की मदद के लिए यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त कक्षाएं भी ली जानी चाहिए। डीसीपीयू जिला कानूनी सेवा प्राधिकरणों को एक महीने में एक बार, सीसीआई को प्रदान की जाने वाली संरचना में प्रगति और समय-समय पर ऑनलाइन कक्षाओं के कामकाज के बारे में सूचित करेंगे। डीसीपीयू को उन बच्चों का मूल्यांकन करने के लिए भी निर्देशित किया जाता है, जिन्हें अन्य सांविधिक निकायों की सहायता से माता-पिता / अभिभावकों / पालक घरों में बहाल किया गया है।

डीसीपीयू को बच्चों के माता-पिता / अभिभावकों की वित्तीय स्थिति के बारे में पूछताछ करने के लिए निर्देशित किया जाता है और अगर यह पाया जाता है कि माता-पिता / अभिभावकों की वित्तीय कठिनाई को देखते हुए बच्चों को स्कूल नहीं भेजा जा रहा है, तो यह सुनिश्चित करने के लिए राज्य को वित्तीय सहायता देने की सिफारिश करें कि बच्चे स्कूलों में पढें। डीसीपीयू द्वारा की गई ऐसी सिफारिश पर, राज्य के संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे संकट में पड़े बच्चों के माता-पिता / अभिभावकों को प्रति माह 2000 रुपये जारी करें, जिसका उपयोग केवल बच्चों की शिक्षा के उद्देश्य से किया जाएगा। डीसीपीयू को उन बच्चों की संख्या का पता लगाने के लिए भी निर्देशित किया जाता है जो एक विशेष भौगोलिक इलाके में लॉकडाउन के दौरान परिवारों में बहाल किए गए हैं और 25 बच्चों के समूह के लिए एक मार्गदर्शक / शिक्षक का इंतजाम किया जाए। यदि दिशा-निर्देशों के संबंध में स्पष्टीकरण की आवश्यकता महसूस की जाती है, तो राज्यों को एमिकस क्यूरी से संपर्क करने की स्वतंत्रता दी गई है। अदालत ने आदेश में कहा है, न्यायालय ने बाल देखभाल घरों में बच्चों की शिक्षा के संबंध में तेलंगाना, त्रिपुरा और कर्नाटक राज्यों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं का भी उल्लेख किया, जैसा कि एमिकस द्वारा प्रस्तुत किया गया है। आदेश में कहा गया है कि तेलंगाना राज्य सीसीआई में बच्चों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था कर रहा है। यह भी दर्ज किया गया है कि त्रिपुरा राज्य बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वित्तीय संकट में माता-पिता / अभिभावकों को 2160 रुपये प्रति माह प्रदान कर रहा है। कर्नाटक राज्य एक भौगोलिक इलाके में हर 25 बच्चों के लिए एक गाइड / ट्यूटर प्रदान कर रहा है, जिन्हें लॉकडाउन अवधि के दौरान उनके परिवारों को बहाल किया गया है। न्यायालय ने आदेश में कहा कि किसी भी राज्य सरकार ने एमिकस द्वारा दिए गए सुझावों पर आपत्ति नहीं जताई। न्यायालय ने राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण परिषद को यह भी निर्देश दिया कि वह किशोर न्याय (देखभाल और संरक्षण) अधिनियम 2015 की धारा 109 के तहत दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन की निगरानी करें। एमिकस ने प्रस्तुत किया कि मार्च 2020 में कोविड19 महामारी की शुरुआत से पहले, सीसीआई में 2,27,518 बच्चे थे। लॉकडाउन के दौरान, 1,48,788 बच्चों को उनके परिवारों में बहाल किया गया था। एमिकस ने प्रस्तुत किया कि उन बच्चों के संबंध में जिन्हें उनके परिवारों में बहाल किया गया है, उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं की पूर्ति के बारे में एक अनुवर्ती कार्रवाई करने की आवश्यकता है। 3 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कोविड19 महामारी के बीच सीसीआई में बच्चों की स्थिति की निगरानी के लिए एक स्वतः संज्ञान केस की शुरुआत की। तब से, शीर्ष अदालत समय-समय पर बाल घरों में भीड़ कम करने और बच्चों के कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश जारी कर रही है। न्यायालय इस संबंध में केंद्रीय और राज्य एजेंसियों द्वारा धन के उपयोग की निगरानी भी कर रहा है। न्यायालय ने सीसीपी से माता-पिता / अभिभावकों को बच्चों को बहाल करने पर एनसीपीसीआर की प्रतिक्रिया भी मांगी। 1 दिसंबर को, न्यायालय ने स्पष्ट किया कि किशोर न्याय अधिनियम की धारा 40 (3) के तहत प्रक्रिया के अनुसार माता-पिता / अभिभावकों की क्षमता का पता लगाने के बाद ही बच्चों को वापस बहाल किया जाना चाहिए। अतः उपरोक्त पूरे मामले का अगर हम अध्ययन करें तो बच्चे हमारे देश का भविष्य कार्यपालिका न्यायपालिका का चिंतन काफी जरूरी है -

कर विशेषज्ञ एड किशन भावनानी गोंदिया (महाराष्ट्र)

घनाक्षरी माला

पथिक हो सच्चे गर, बढ़ते रहो निडर,
ऐसा होगा तब जब मार्ग तेरा सत्य है।
स्थितियाँ रहे अनेक, पर बात तेरी एक,
ऐसा कर पायेगा जो बात तेरी सत्य है।
लोभ, मोह, झूठ, छोड़, बस ? जाप कर
जिससे ब्रह्माण्ड ये नासा ने माना सत्य है।
खाली हाथ आया है तू जाना खाली हाथ ही है,
दुनिया में इससे बड़ा न कोई सत्य है।
वृक्ष होते तात पर दादा वट वृक्ष होते,
बात यह जरा नई पीढ़ी को बताइये।
सर पर हाथ परदादा का हो गर तेरे,
अनुपम मान भाग्य पर इतराइये।
राजा रंक किसी को बनाना तेरे हाथ में न,
मन का मयूर यूँ भ्रमण न कराइये।
मुक्ति पाकर हट्ट से हो जाना श्रीपति धाम,
सब छोड़ मन राम भक्ति में रमाइये।
पुष्प कहो फूल कहो, चाहे मंजरी ही कहो
कह लो प्रसून या कुसुम सब एक हैं।
पुहुप है नाम चाहे कह लो सुमन तुम,
नाम चाहे कोई पर अर्थ सभी एक हैं।
गुल भी है नाम एक इसी फूल का ही जानो,
देख रहे आप नाम इसके अनेक हैं।
समय हो स्वागत का चाहे हो विदाई का
काम आता दोनों में ही पर फूल एक है।

नीरज कुमार द्विवेदी
बस्ती-उत्तरप्रदेश

सरस्वती वंदना

वाणी निखार दो मैया करें हम तेरी नित अर्चना,
श्रीचरणों में नमन कर हम करते हैं माँ तेरी वंदना।
हे वागेश्वरी कवियों की कलम पर उपकार कर दो,
कलम से निकले हर शब्द में शक्ति संचार भर दो।
हे माँ शारदे मिटा क्लेश संगीत की झंकार भरो,
मिटा हिय से कुचिंता जीवन में मधुर सुर राग भरो।
कलमकारों में नवल हौसलों की तुम उड़ान भरो,
सादा सरल जीवन दे माँ भक्तों का उत्थान करों।
हे हंसवाहिनी अंतस में तुम सत्य व साहस भर दो,
मिटा तमोगुणों को माँ हृदय को उज्जवल कर दो।
हे सरस्वती द्वेष दंभ अहम मिटा नूतन जोश भरो,
सदमार्ग पर चले सदा मनमंदिर भक्ति भाव भरो।
हे पुस्तक धारिणी कलमकारों को छंद ज्ञान दो,
शीश हस्त रख कवियों के कंठ मिश्री घोल दो।
हे श्वेतवसन धारिणी वसुधा का तमिस्त्र दूर करो,
चहुँ और हो उजियारा सकल जहान प्रकाश भरो।
हे ज्ञानदायिनी निज संतानों को बुद्धिप्रदान करो,
मिटाकर भेदभाव को सबके हिय प्रेमभाव भरो।
हे सरस्वती बिखरी पंखुड़ियों को माला में पिरो दो,
नृप रंक रह सके संग माँ ऐसी सद्बुद्धि हमको दो।

स्वरचित एवं मौलिक, सुमन राठौड़

मुझे भी प्रधान बना दो जी

पंचायत के चुनाव आ गए
मेरी भी मौज लगा दो जी
एक समस्या आ गई
उसका हल करवा दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
सेवा आपकी दिल से करूँगा
पहले अपना घर भरूँगा
बेईमानी भी ईमानदारी से करूँगा
ईमानदार लोगों से खूब लडूंगा
बस मुझे भी एक चांस दिला दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
स्कूटर पुराना मेरा हो गया
बहुत कठिन है बस में आना जाना
जेब में पैसा है नहीं
मुश्किल हो गया घर चलाना
खर्चे का मेरा भी कोई जुगाड़ करा दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
डंगे, रास्ते तो बहुत बनेंगे
सड़कें भी बहुत बनवाऊंगा
रेत बजरी तो होगा ही कम
सरिया और सीमेंट भी कम डलवाऊंगा
जो भी बनवाना होगा,तुम मुझको बतला दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
बड़े नेता के साथ रहूंगा

ठेकेदार मैं बड़ा बनूँगा
लोगों को हड़काउंगा
मैं पैसा खूब बनाऊंगा
छोटे ठेके अब नहीं हैं भाते
बड़े ठेके दिलवा दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
थानेदार पर रौब रहेगा
जो बोलेंगे वही करेगा
विरोधियों को नचाएंगे
सब मिल बांट कर खाएंगे
मलाई के नाम पर हो गई अनबन कोई सुलह करा दो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी
मनरेगा में काम लगेगा
रोजगार सबको मिलेगा
मस्टरोल में नाम तभी चढ़ेगा
जब आधा उससे मुझे मिलेगा
नाम मस्टरोल में जिसने भी चढ़वाना हो चढ़वा लो जी
मुझे भी प्रधान बना दो जी

रवींद्र कुमार शर्मा
घुमारवीं
जिला बिलासपुर हि प्र

बीत रहा साल है

अपने मन में बुरा ख्याल न रखे कोई
बीत रहा साल है मलाल न रखे कोई
तन्हाईयों में डूबे दिन गम की काली रातें सब
नया साल आ रहा है भूल जाएं बातें सब
दुर्भावनाएं मन में जो है,आओ सब निकाल दें
प्यार से एक दूजे की बांहों में बाहें डाल दें
मिल जाएंगे जवाब भी,सवाल न रखे कोई
बीत रहा साल है मलाल न रखे कोई
रखेंगे नफरत का भाव हम दिल में नहीं
होगा कोई स्वार्थ का प्रभाव अब दिल में नहीं
खुद के लिए बहुत जिया जिएंगे औरों के लिए
सबको गले लगाएंगे मुस्कान होठों पर लिए
नरम रहें सब खून में उबाल न रखे कोई
बीत रहा साल है मलाल न रखे कोई
उत्साह से अपने अब चमन बहार तोल दें
बांध करके न रखें अब मन के द्वार खोल दें
मन से किसी के भी मन में न कोई दूरी हो
मन की जो बातें सभी हैं मन ही मन में पूरी हो
वेदना से मन को अब बेहाल न रखे कोई
बीत रहा साल है मलाल न रखे कोई
बीत रहा साल है मलाल न रखे कोई

विक्रम कुमार, मनोरा, वैशाली

लकड़ियाँ

कोई ढूंढ रहा
मसलों की लकड़ियाँ
सेकने की राजनितिक रोटियां
कोई ढूंढ रहा
ज़िन्दगी की लकड़ियाँ
जीने को फुटपाथ ,
झोपडी की बेबसी
कोई ढूंढ रहा
साथ की लकड़ियाँ
बनाने को बुढ़ापे का सहारा
कोई ढूंढ रहा
प्रेम की लकड़ियाँ
लाने को गर्माहट सर्द रिश्तों में
पड़ी यूँ सर्द मौसम की
यूँ मार ऐसी
किसी को निज स्वार्थ
की लकड़ियाँ
किसी को अपनेपन
की लकड़ियाँ
किसी को जीवित रहने
की लकड़ियाँ
किसी को चूल्हा जलाने
की लकड़ियाँ
हर किसी को है चाहत
सर्द मौसम की मार में
अपनेपन से भरे जीवन
को जीने की
चाहत और एहसास की
लकड़ियाँ......,।।

मीनाक्षी सुकुमारन, नोएडा

नवाजुद्दीन ने एक और वाहवाही बटोरीं जीता सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने खुद को मनोरंजन उद्योग के सबसे दुर्जेय नामों में से एक के रूप में स्थापित किया है, जो बैक-टू-बैक तारकीय प्रदर्शन के साथ शीर्ष पर है। इस साल, रात अकेली है, में उनकी शानदार भूमिका और उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए, उन्हें एक अग्रणी मंच द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ अभिनेता' के खिताब से सम्मानित किया गया।

अपने करियर में एक नया अचीवमेंट जोड़ते हुए नवाजुद्दीन ने जटिल यादव की अपनी भूमिका के लिए प्रतिष्ठित ब्लैक लेडी को जीता। यह फिल्म इस साल की शुरूआत में एक लोकप्रिय ओटीटी मंच पर प्रदर्शित हुई। प्रतिभाशाली अभिनेता ने हमेशा अतीत में अपने प्रदर्शन से हमें प्रभावित किया है और रात अकेली है में उनका किरदार निश्चित रूप से, इस वर्ष में सबसे प्रमुख था। इस फि ल्म में नवाजुद्दीन की भूमिका ने दर्शकों और आलोचकों से बहुत प्यार प्राप्त किया, जो स्पष्ट रूप से उनके त्रुटिहीन प्रदर्शन को उजागर करता है। एक कलाकार के रूप में, उन्होंने पंथ सीरिज के साथ-साथ फिल्मों में अविश्वसनीय प्रदर्शनों के साथ ओटीटी स्पेस में मजबूती से अपनी जगह बनाई है। उन्होंने कई प्रशंसाएं जीती हैं और यह विशेष जीत महत्वपूर्ण है क्योंकि 2020 क्लोसर के कगार पर है। इससे पहले, उन्हें सेक्रेड गेम्स और सीरियस मेन में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत प्रशंसा मिली। वह हमेशा एक ऐसे अभिनेता रहे हैं जो एक चरित्र की त्वचा में सहजता से उतर सकते हैं और इस गुण ने उन्हें एक बहुमुखी कलाकार बनने और हर परियोजना के साथ अपने शिल्प को बढ़ाने में मदद की है। हम नवाजुद्दीन सिद्दीकी को उनकी शानदार उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं! काम की बात पर, नवाजुद्दीन अगली बार बोले चूड़ियां, संगीन और जोगीरा सारा रा रा में दिखाई देंगे।

रसगुल्ले और गुलाब जामुन के साथ शूटिंग करना सबसे मुश्किल

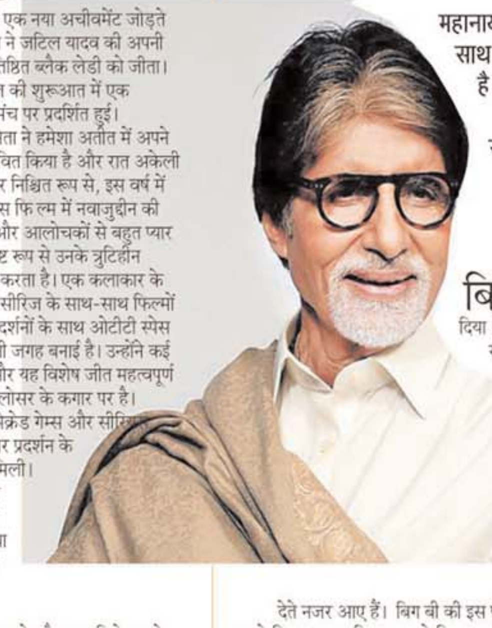

महानायक अमिताभ बच्चन ने शूटिंग के दौरान उनके साथ होने वाली यातनाओं को लेकर खुलासा किया है। उनका मानना है कि दिग्गज अभिनेता मिठाई खाने से परहेज करते हैं, ऐसे में उनके लिए सबसे बड़ी यातना रसगुल्ले और गुलाब जामुन के साथ एक कमर्शियल विज्ञापन के लिए मिठाइयों को हाथ में लेना और उन्हें खाने के बाद प्रसन्न होने का दिखावा करना है।

बिग बी ने अपनी दुर्दशा को सत्यापित ट्विटर अकाउंट पर व्यक्त किया। उन्होंने लिखा कि मैंने मिठाई खाना छोड़ दिया है और उसके बाद मुझे शूटिंग के दौरान अपने हाथ में रसगुल्ला और गुलाब जामुन के साथ पोज देना है, और ऐसा दिखावा करने के लिए कहा गया, जिससे पता चले कि खाने के बाद ये मिठाइयां कितनी स्वादिष्ट लगती हैं। इससे बड़ा कोई अत्याचार नहीं है'। इस दौरान बिग बी ने शूट से कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उन्हें कैमरे के सामने मुस्कुराते हुए रसगुल्ले और गुलाब जामुन के साथ खुशी से पोज देते नजर आए हैं। बिग बी की इस पोस्ट पर फैंस ने भी कमेंट सेक्शन में अपने विचार व्यक्त किए। एक ने लिखा, हां सर, मैं पूरी तरह से सहमत हूं कि इन व्यंजनों को लेने से खुद को रोकना बहुत मुश्किल होता है।

आपसी समझ और प्यार से चल रहा शाहिद कपूर और मीरा राजपूत का रिश्ता

ऐक्टर शाहिद कपूर और मीरा राजपूत का रिश्ता खुशी जीना सीखाता है, क्योंकि यह कपल दूसरो के हिसाब से चलने की जगह आपसी समझ और प्यार से अपना रिश्ता चला रहा है। इस दौरान उनके बीच कोई तीसरी सोच परेशानी पैदा नही कर पाती। इस रिश्ते की कई ऐसी बातें हैं, जो हर तरह से समाज में एक मिशाल खड़ी करती है। इन दोनों की उम्र में 12 साल का गैप है। मगर, इसका मतलब ये बिल्कुल नही कि उम्र में ज्यादा अंतर हो, तो रिलेशनशिप को लेकर आगे नही बढ़ना चाहिए।

मीरा और शाहिद परफेक्ट ट्यूनिंग शेयर करतें है। दरअसल, ये दोनों उम्र के ऐंगल पर ध्यान देने की जगह आपसी समझ, सम्मान और फीलिंग्स पर ध्यान देते हैं। हालांकि, मीरा जबरदस्त बेबाक नेचर की महिला हैं। शाहिद कपूर कई इंटरव्यू में भी इसका जिक्र कर चुके हैं कि पहली मुलाकात में भी मीरा ने कैसे उनके सवालों का बेबाकी से जवाब देते हुए उन्हें स्पीचलेस कर दिया था। मगर, फिर भी ऐक्टर ने इस ब्यूटीफुल गर्ल को अपना जीवनसाथी बनाया। शादी के बाद कई बार मीरा अपने अनफिल्टर्ड थॉट्स और स्टेटमेंट के कारण कॉन्ट्रोवर्सी का हिस्सा बनीं, लेकिन इसके बावजूद शाहिद का अपनी पत्नी के प्रति न तो प्यार कम हुआ और ना ही सम्मान। वहीं, मीरा हाउस वाइफ होने के बावजूद न सिर्फ खुद की हेल्थ और ब्यूटी का ख्याल रखती हैं, बल्कि वह ग्लैमरस साइड शो भी करने में नहीं हिचकिचाती। शहीद और मीरा के दो बच्चे हैं, बावजूद इसके उनके रिश्ते में कोई बदलाव नहीं आया। दो बच्चों के पैरंट्स बनने के बावजूद यह कपल सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए प्यार और एक के व्यस्त होने पर उसे मिस करने की फीलिंग्स को जाहिर करता है।

अरमान के साथ काम करना चाहती हैं साक्षी मलिक

अभिनेत्री-मॉडल साक्षी मलिक एक बार गायक अरमान मलिक के साथ काम करना चाहती हैं। इस बारे में उन्होंने कहा कि मैं उसके साथ अभिनय करना चाहूंगी, लेकिन यह मेरी भूमिका पर निर्भर करता है। दरअसल, मैंने उन्हें अभिनय करते नहीं देखा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उनका संगीत सुना है और मुझे लगता है कि उनकी आवाज वास्तव में अच्छी है। जिसमें वो गाते हैं उसमें उन्हें अभिनय करने का मौका मिल सकता है। चाहे वेब श्रृंखला हो, फिल्म हो, या म्यूजिक वीडियो हो। सभी उनपर एक अभिनेता के रूप में सूट करेगा। बता दें कि साक्षी मलिक को बिग बॉस 13 के रनरअप रहे असीम रियाज के साथ हालिया रिलीज 'वहम' म्यूजिक वीडियो में देखा जा रहा है। इस म्यूजिक वीडियो में दोनों स्टार्स की केमिस्ट्री को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं।

मलाइका अरोड़ा बोल्ड टॉप और स्कर्ट में आई नजर

मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर अक्सर अपनी तस्वीर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी एक बेहद बोल्ड और खुबसूरत तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की है जिसे फैंस काफी पंसद कर रहे हैं। इस तस्वीरों में मलाइका अरोड़ा बोल्ड टॉप और स्कर्ट में नजर आ रही हैं। हालांकि ऐसा कोई दिन नहीं जाता है जब मलाइका अरोड़ा की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल न होती हों। रविवार की सुबह अपनी बोल्ड तस्वीर को शेयर करते हुए मलाइका ने लिखा कि 'हेलो संडे, केवल मुस्कुराएं और खुश रहें।' बता दें कि इस तस्वीर पर मलाइका के फैन्स के काफी कॉमेंट्स आ रहे हैं। एक फैन ने कॉमेंट करते हुए लिखा कि 'कोई इतना सेक्सी कैसे हो सकता है।' वहीं एक फैन ने कॉमेंट कर मलाइका से पूछा है कि अर्जुन कपूर कहां हैं। बता दें कि पिछले महीने मलाइका और करीना कपूर हिमाचल प्रदेश चले गए थे। दरअसल, हिमाचल में सैफ और अर्जुन कपूर अपनी अगली फिल्म 'भूत पुलिस' की शूटिंग कर रहे थे। इस दौरान मलाइका ने अर्जुन के साथ काफी टाइम बिताया था।

फैन्स बोले- कोई इतना सेक्सी कैसे हो सकता है

नेहा कक्कड़ ने की नए गाने की घोषणा

गायिका नेहा कक्कड़ ने अपनी प्रेग्नेंसी का जश्न मनाने के लिए एक नए गीत की घोषणा की। इस गीत का नाम 'ख्याल रखया कर' है और ये गाना 22 दिसंबर को रिलीज होगा। हाल ही में को नेहा ने सोशल मीडिया पर खुलासा किया था कि वह अपने पति गायक रोहनप्रीत सिंह के साथ अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही हैं। नेहा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भी शेयर की थी, जिसमें उनका बेबी बंप साफतौर पर नजर आ रहा है। इस साल अक्टूबर में नेहा-रोहनप्रीत शादी के बंधन में बंध गए थे। बता दें कि नए गाने 'ख्याल रखया कर' के वीडियो में नेहा को पति रोहनप्रीत के साथ दिखाया गया है। इस गीत के बोल बब्बू ने लिखे हैं, जबकि इसे कंपोज रजत नागपाल ने किया है।

दहकते लावे को देख लोगों ने मांगी सलामती की दुआ

आईलैंड। हवाई के बिग आईलैंड पर स्थित किलाऊआ ज्वालामुखी फूट पड़ा। यह ज्वालामुखी हवाई वोल्केनोज नेशनल पार्क में स्थित है. ज्वालामुखी की चोटी से लावा बहता हुआ दिखा. वहीं, इसके कुछ देर बाद ही एक भूकंप भी आया, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 4.4 मापी गई थी. ज्वालामुखी फटने के बाद इलाके में कुछ जगहों पर दरार आ गई है।लावे के बहाव में सैकड़ों घर तबाह हो गए. दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक किलुआ ज्वालामुखी अपना विकराल रूप लेता जा रहा है।

पाक सरकार ने इस्लामाबाद में कृष्ण मंदिर निर्माण की दी अनुमति, 6 माह पहले कट्टरपंथियों ने रुकवा दिया था काम

इस्लामाबाद ■ एजेंसी

पाकिस्तान में 6 महीने पहले इस्लामी कट्टरपंथियों के दबाव में इस्लामाबाद में रोका मंदिर का निर्माण कार्य इमरान सरकार ने फिर शुरू कराने की अनुमति दे दी है। कट्टरपंथियों के विरोद करने पर इस मंदिर का निर्माण रोक दिया गया था। इस्लामाबाद के एच-9 प्रशासनिक क्षेत्र में 20 हजार वर्ग फुट क्षेत्र में कृष्ण मंदिर का निर्माण होना है। इसमें श्मशान के साथ ही कई अन्य धार्मिक अनुष्ठान के लिए निर्माण कराए जाने हैं। कैपिटल डेवलपमेंट अथॉरिटी (सीडीए) ने सोमवार को लाहौर में अधिसूचना जारी कर श्मशान भूमि की चाहरदीवारी बनाने की अनुमति दे दी।

इसमें कहा गया है कि चारदीवारी की ऊंचाई सात फुट से अधिक नहीं होगी। चाहरदीवारी पक्की हो सकती है या तीन फुट तक पक्की नींव के बाद उस पर बाड़ लगाई जा सकती है। कुछ

कट्टरपंथी मौलवियों ने सरकार को इस्लामाबाद में मंदिर निर्माण की अनुमति देने के खिलाफ चेताया था। इसके बाद ही सीडीए ने इस साल जुलाई में चाहरदीवारी के निर्माण कार्य पर रोक लगा दी थी। हालांकि, उसने इसकी वजह कुछ औपचारिकताओं के पूरा होने में देरी बताई थी।सरकार ने मौलवियों की परिषद काउंसिल ऑफ इस्लामिक आइडियोलॉजी (सीआइआइ) से मंदिर निर्माण के साथ ही इसके लिए 10 करोड़ रुपए अनुदान देने पर राय मांगी थी। सीआईआई ने कहा था कि संविधान या शरिया कानून में इस्लामाबाद या देश के किसी भी क्षेत्र में मंदिर निर्माण पर कोई रोक नहीं है। सीआईआई के 14 सदस्यों के हस्ताक्षर वाले फैसले में यह भी कहा था कि देश में रहने वाले अन्य धर्म के लोगों की तरह हिंदुओं को भी अपनी आस्था के मुताबिक अंतिम संस्कार करने का संवैधानिक अधिकार है। बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने मंदिर निर्माण के लिए जमीन आवंटित की थी। इसके बाद सीडीए ने 2017 में हिंदू पंचायत को इस्लामाबाद में उक्त जमीन दी थी। पाकिस्तान में हिंदू सबसे बड़ा अल्पसंख्यक समुदाय है। इनकी अनुमानित आबादी 75 लाख है। हालांकि, हिंदुओं के मुताबिक उनकी आबादी 90 लाख से अधिक है। ज्यादातर हिंदू सिंध प्रांत में रहते हैं।

न्यूज. ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र ने सीबीआई की संशोधित अपराध नियमावली की जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान सीबीआई की संशोधित अपराध नियमावली जारी की। कार्यक्रम के दौरान सीबीआई के निदेशक ऋषि कुमार शुक्ल और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने 15 साल बाद सीबीआई की संशोधित अपराध नियमावली को तैयार करने के लिए सीबीआई को बधाई दी। सीबीआई की इस संशोधित नियमावली को कानून, जाँच की तकनीक और प्रक्रियाओं में हुए नवीमतम बदलावों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया है।

मंत्री गंगवार ने ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला रखी

नई दिल्ली । केन्द्रीय श्रम और रोजगार मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संतोष कुमार गंगवार ने बडगाम के ओमपुरा में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के 100 बिस्तर वाले अस्पताल की आधारशिला रखी। जम्मू और कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा आधारशिला कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। 100 बिस्तर वाले इस चार मंज़िला अस्पताल का निर्माण करीब 5 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। इस अस्पताल में 23 स्पेशलिस्ट और 3 सुपर स्पेशलिस्ट सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। करीब 160 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस अस्पताल का निर्माण कार्य करीब डेढ़ साल में पूरा होने की उम्मीद है। इस अस्पताल में पंजीकृत बीमाधारी लोगों के इलाज के साथ-साथ आम जनता को भी स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएंगी। मंत्री संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि ईएसआईसी पिछले 60 वर्षों से सफलतापूर्वक कार्य कर रहा है और देश के 80 प्रतिशत सेअधिक ज़िलों में इसकी उपस्थिति है। श्रीनगर में करीब 20 हजार ईएसआईसी बीमाधारक हैं।

पेयजल का दुरुपयोग और बबार्दी बंद करें अधिकारी इसकी निगरानी करें : एनजीटी

नई दिल्ली । राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) ने कहा है कि पीने योग्य पानी के दुरुपयोग और बबार्दी को रोका जाना चाहिए और अधिकारियों को लगातार इसकी निगरानी करनी चाहिए। एनजीटी प्रमुख न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अध्यक्षता वाली एक पीठ ने यह टिप्पणी करते हुए पानी की बबार्दी रोकने की मांग करने वाले याचिकाकर्ता से कहा कि वह कानून के तहत संबंधित वैधानिक अधिकारियों के समक्ष मामला उठाए। पीठ ने कहा इसमें कोई दो राय नहीं है कि पानी की बबार्दी को रोका जाना चाहिए, लेकिन मुद्दा निरंतर निगरानी का है, जो संबंधित अधिकारियों द्वारा ही किया जाना चाहिए। प्राधिकरण शहर के निवासी महेश चंद्रा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें पीने योग्य पानी की बबार्दी को रोकने और दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के पानी भरने वाले बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए दिशा-निर्देश देने का अनुरोध किया गया था।

तेलंगाना के सभी जिले जल्द ही राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ जाएंगे: मंत्री गडकरी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने तेलंगाना में वर्चुअल माध्यम से 14 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में 13,169 करोड़ रुपये लागतवाली 765.663 किलोमीटर लंबी सड़कों का निर्माणभी शामिल है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, जनरल डॉ. वीके सिंह, तेलंगाना के सड़क और भवन, विधायी कार्य एवं आवासन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी, तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष पोचराम श्रीनिवास रेड्डी, सांसदों और विधायकों के साथ-साथ केन्द्र और राज्य केवरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

| गृहमंत्री अमित शाह पर प. बंगाल की मुख्यमंत्री का पलटवार, कहा |

आत्महत्या को भी राजनीतिक हिंसा बताती है बीजेपी: ममता

कोलकाता ■ एजेंसी

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज होता जा रहा है। विकास की दौड़ में पश्चिम बंगाल के पिछड़ने को लेकर गृहमंत्री अमित शाह की ओर से लगाए गए आरोपों पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जवाब दिया है। ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार के ही कुछ अन्य आंकड़ों को गिनाते हुए कहा कि गृह मंत्री अपनी ही सरकार के आंकड़ों को नहीं देखते हैं। ममता बनर्जी ने राजनीतिक हिंसा को लेकर कहा कि खुदकुशी और घरेलू मामलों को भी बीजेपी सियासी हिंसा बताती है।

ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आंकड़े रखते हुए कहा कि गरीबी घटाने में पश्चिम बंगाल नंबर एक राज्य है। उन्होंने स्कूल, कॉलेज खोलने से लेकर उनमें दाखिलों में इजाफा, मेडिकल कॉलेज-आईटीआई, बाल मृत्युदर में कमी जैसे आंकड़े गिनाते हुए बताया कि टीएमसी सरकार के नेतृत्व में राज्य विकास की राह पर है। टठपश्चिम बंगाल में बीजेपी के 300 कार्यकताओं की हत्या के आरोप पर जवाब देते हुए ममता बनर्जी ने कहा, राज्य में राजनीतिक हिंसा में कमी आई है। बीजेपी आत्महत्या को भी राजनीतिक हिंसा बताती है। पारिवारिक मामलों को भी सियासत करती है। रेप, हत्या, नक्सली घटनाओं में कमी आई है। कानून व्यवस्था की स्थिति पहले से बेहतर है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल दौरे के समय रविवार को आरोप लगाया कि ममता बनर्जी राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रित करने में विफल रही हैं और राज्य विकास के सभी मापदंडों पर तेजी से पिछड़ता जा रहा है। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल विकास के हर पैमाने पर निचले पायदान पर पहुंच गया है और पिछले एक दशक में राजनीतिक हत्याओं, जबरन वसूली, भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार जैसे गलत कामों में फंस गया है। शाह ने कहा था कि राज्य में राजनीतिक हिंसा चरम पर है ममता शासनकाल में बीजेपी के करीब 300 कार्यकताओं की हत्या हो चुकी है।

गृहमंत्री ने आरोप लगाया था कि प्रशासन का राजनीतिकरण किया गया है और भ्रष्टाचार को संस्थागत बनाया गया है क्योंकि ममता बनर्जी सरकार सिर्फ अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए केवल 10 करोड़ की आबादी को वंचित कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के डर से गरीबी उन्मूलन को लेकर शुरू की गयी केंद्रीय योजनाओं को अवरुद्ध कर रही है तथा संघीय ढांचे के सभी मानदंडों का उल्लंघन का उल्लंघन कर रही है।

अमित शाह फिर जाएंगे कोलकाता

अगले साल होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी की युद्ध स्तर पर तैयारी चल रही है। कभी वामपंथ का गढ़ रहा और फिर ममता बनर्जी का दुर्ग बने बंगाल में कमल खिलाने की कोशिशों में लगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एक बार फिर कोलकाता का दौरा करने जा रहे हैं। वह 12 जनवरी को हावड़ा में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अमित शाह नए साल से हर महीने में से एक सप्ताह बंगाल में बिताएंगे। इस दौरान वह चुनाव प्रचार से लेकर तमाम रणनीतियों की रूपरेखा तैयार करेंगे। दरअसल 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर भाजपा की ओर से बड़ा कार्यक्रम करने की योजना है। अमित शाह इस मौके पर हावड़ा में एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

26 को असम जाएंगे

अमित शाह के 26 दिसंबर को असम दौरे पर जाने की संभावना है। इस दौरान असम में 2021 विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस समेत कई विपक्षी विधायकों और नेताओं के भाजपा में शामिल होने की संभावना है। अपनी यात्रा के दौरान, अमित शाह पार्टी नेताओं के साथ बैठक करेंगे और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी की समीक्षा करने वाले हैं। भाजपा उपाध्यक्ष और पार्टी के असम प्रभारी बैजयंत पांडा ने कहा कि वह 23 दिसंबर को अमित शाह के दौरे से पहले राज्य का दौरा करेंगे और तैयारियों का जायजा लेंगे।

रूस का पीछा नहीं छोड़ रहा है एलेक्सी नवलनी का साया, यूरोपीय देशों पर भड़का हुआ है रूस

मास्को। रूस ने अपने ऊपर लगाए गए पर यूरोपीयन यूनियन के प्रतिबंधों के खिलाफ जर्मनी, स्वीडन और फ्रांस के राजदूत को तलब कर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। इन देशों समेत यूरोपीय संघ ने रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी को जहर दिए जाने की घटना के मद्देनजर रूसी राष्ट्रपति के करीबी नेताओं और अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया है। आपको बता दें कि एलेक्सी को इस वर्ष 20 अगस्त में उस वक्त जहर दिया गया था जब वो साइबेरिया से मास्को जा रहे थे। विमान में अचानक बेहोश होने के बाद उन्हें वहां के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इस घटना के बाद उन्हें कुछ दिनों बाद जर्मनी के अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर उनके शरीर में ऐसे तत्व मिलने की पुष्टि हुई जो जानलेवा साबित हो सकते थे। फ्रांस और स्वीडन की तीन अलग-अलग लैब में हुई जांच में पता चला कि उन्हें घातक जहर नोविचोक दिया गया था। हेग की संस्था ने भी उनके खून का नमूना जांच के लिए लिया था। जहर दिए जाने की घटना के कुछ दिनों बाद तक एलेक्सी कोमा में ही रहे थे। इस दौरान उन्हें वेंटिलेटर पर भी रखा गया था। करीब एक माह बाद उनकी हालत में सुधार हुआ और उनके ठीक होने की पुष्टि की गई। ठीक होने के बाद एलेक्सी नवलनी ने कहा था कि उन्हें अभी लंबा रास्ता तय करना है जिसके लिए वो वापस रूस आ रहे हैं। उन्होंने अपने स्वस्थ होने के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थीं। इसमें वो सीढ़ी से नीचे उतरते नजर आ रहे थे। इस पूरे मामले पर जहां यूरोपीय देशों ने रूस से सफाई मांगी थी वहीं रूस ने इस पूरे मामले में किसी भी तरह का षड़यंत्र रचने से साफ इनकार कर दिया था। वहीं अमेरिका इस पूरे मामले में हैरतअंगेज रूप से चुप खड़ा हुआ दिखाई दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वो इस घटना के बारे में नहीं जानते हैं कि क्या हुआ।

पीएम के गुरुद्वारे जाने पर शिवसेना का तंज पूछा – आपको गुरबाणी से क्या मिली सीख

मुंबई ■ एजेंसी

शिवसेना ने मंगलवार को पूछा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली के रकाबगंज गुरुद्वारा जाने और गुरुतेग बहादुर से प्रेरणा लेने की अपील से किसानों के प्रदर्शन का क्या नतीजा निकलेगा, जिसमें उनके अनुयायी शामिल हैं। शिवसेना के मुखपत्र सामना के मराठी संस्करण एक संपादकीय में मोदी के गुरुद्वारा जाने और गुरु तेग बहादुर को उनके सर्वोच्च बलिदान के लिये श्रद्धांजलि अर्पित करने का जिक्र किया गया है। गुरु तेग बहादुर की रविवार को पुण्यतिथि थी।

किसान टस से मस नहीं हुए: शिवसेना

गुरुद्वारा रकाबगंज में उनका अंतिम संस्कार किया गया था। सिखों समेत हजारों किसान मोदी सरकार के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ 26 सितंबर से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। संपादकीय में कहा गया कि मोदी के गुरुद्वारा जाने पर भी किसान टस से मस नहीं हुए और प्रदर्शन जारी रखा। संपादकीय में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने गुरु तेग बहादुर से प्रेरणा लेने की अपील की है। सुनकर खुशी हुई। हजारों सिख योद्धा उन्हीं से प्रेरणा लेकर दिल्ली सीमा के निकट लड़ाई लड़ रहे (आंदोलन) हैं।

समय के आगे किसी का जोर नहीं चलता: शिवसेना

संपादकीय में लिखा गया कि मोदी के गुरुद्वारा पहुंचने पर गुरबाणी हो रही थी। गुरबाणी कहती है कि अगर कोई अपने विचार नहीं बदलता है, तो भगवान की सेवा और उसके प्रति श्रद्धा किसी काम की नहीं है। इसमें लिखा है कि पवित्र धार्मिक ग्रंथ को कितनी भी बार पढ़ लीजिये अगर इससे आपको सीख नहीं मिलती, तो इसका कोई फायदा नहीं है। साथ ही यह भी सवाल किया गया कि अगर किसी का समय आ गया है और उसे अपने कर्मों का हिसाब-किताब देना पड़े तो वह क्या करेगा। संपादकीय में कहा गया कि गुरबाणी में बताया गया कि समय के आगे किसी का जोर नहीं चल सकता।

आईपीएस अमिताभ के खिलाफ लंबित विभागीय जांचे 18 तक हो पूरी: कैट

लखनऊ। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की लखनऊ बेंच ने अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश अवस्थी को आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर के खिलाफ लंबित विभागीय जांचों को 18 जनवरी तक पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश न्यायिक सदस्य मंजुला दास तथा प्रशासनिक सदस्य ए मुखोपाध्याय की बेंच ने दिया। कैट ने कहा कि इससे पहले पिछली 28 जनवरी को भी प्रतिवादी को 15 फरवरी तक जाँच पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद मामले में कई बार सुनवाई हुई लेकिन प्रतिवादी द्वारा अब तक कैट के आदेशों का पालन नहीं किया गया है। अवस्थी एक माह में कैट के आदेशों का अनुपालन किये जाने विषयक आख्या कैट के सामने प्रस्तुत करें अन्यथा उन्हें सुनवाई की अगली तिथि 18 जनवरी को कैट के सामने उपस्थित होना पड़ेगा।

ट्रंप समर्थकों की रैली

ओरेगन में ट्रंप समर्थक और मास्क के विरोधी लोग स्टेट कैपिटल के बाहर रैली करते हुए।

पाक के खिलाफ आवाज उठाने वाली मोदी की बहन बलूच एक्टिविस्ट की कनाडा में हत्या !

पेशावर ■ एजेंसी

वैश्विक मंचों पर पाकिस्तान सरकार और सेना के अत्याचारों के खिलाफ आवाज उठाने वाली बलूचिस्तान की एक्टिविस्ट व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तथाकथित बहन करीमा बलोच की कनाडा में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। करीमा रविवार को लापता हो गई थीं और उनकी तलाश की जा रही थी। करीमा का शव टोरंटो से बरामद किया गया है। करीमा की मौत की वजह स्पष्ट नहीं है लेकिन इसके पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी करक का हाथ होने की बातें सामने आ रही हैं। करीमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भाई मानती थीं और 2016 में रक्षाबंधन पर उन्होंने ढट मोदी के लिए राखी भेजी थी।

अचानक हो गईं थी लापता

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक करीमा बलोच रविवार शाम को लापता हो गई थीं और तभी से पुलिस उन्हें तलाश कर रही थी। उन्हें शाम तीन बजे के आसपास अंतिम बार देखा गया था जिसके बाद एक अनजान शख्स के साथ उन्हें जाते देखा गया था। करीमा के परिवार ने उनका शव बरामद हो जाने की पुष्टि की है। करीमा बलोच को पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ सबसे मुखर आवाज माना जाता था। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में भी बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की थी। संदिग्ध परिस्थितियों में हुई उनकी मौत को लेकर पाकिस्तान सरकार और उनकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के ऊपर भी संदेह जताया जा रहा है।

100 प्रभावशाली महिलाओं में थीं शामिल

कनाडाई शरणार्थी रहीं करीमा बलूच को 2016 में दुनिया की 100 सबसे प्रेरणादायक और प्रभावशाली महिलाओं में शामिल किया गया था। बीबीसी ने 2016 में करीमा बलोच को दुनिया की 100 सबसे प्रेरणादायक और प्रभावशाली महिलाओं में से एक के रूप में नामित किया गया था। करीमा बलूच बलूचिस्तान की सबसे प्रसिद्ध हस्तियों में से एक थीं। उन्होंने स्विट्जरलैंड में संयुक्त राष्ट्र के सत्र में बलूचिस्तान का मुद्दा उठाया था। मई 2019 में एक साक्षात्कार में उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बोलते हुए कहा था कि वो बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधन छीनकर वहां के लोगों को प्रताडित कर रहा है।

छात्रों को शिक्षित करने में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है: महापौर: किशोरी पेडणेकर

के . रवि (दादा)।

मुंबई। की मेयर किशोरी किशोर पेडणेकर ने कहा कि स्कूल में छात्र मिट्टी की एक गेंद होते हैं और छात्रों को आकार देने और खेती करने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है .

50 आदर्श शिक्षकों को 2019-20 आदर्श

50 आदर्श शिक्षकों को दिया गया महापौर पुरस्कार

शिक्षक महापौर पुरस्कार- वह मुंबई के मेयर किशोरी पेडनेकर द्वारा 21 दिसंबर, 2020 को बायकुला (पूर्व) में वीरमाता जीजाबाई भोसले पार्क में पेंगुइन कक्ष में आयोजित एक समारोह में बोल रही थीं . महापौर और अन्य गणमान्य लोगों द्वारा 50 पुरस्कार विजेता शिक्षकों को हजारों नकद, प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह, शॉल और नारियल दिए गए . इस अवसर पर उप महापौर एवं सुहास वाडकर, शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री . संध्या दोशी, वास्तुकला समिति (शहर) की अध्यक्षा श्रीमती श्रद्धा जाधव, स्थानीय पार्षद श्री . रमाकांत रहाते, पूर्व शिक्षा समिति की अध्यक्षा और पार्षद श्रीमती अंजली नाइक, नगरसेविका

और शिक्षा समिति की सदस्य श्रीमती प्रज्ञा भूटकर, श्री साईनाथ दुर्ग, निदेशक (चिड़ियाघर) डॉ . संजय त्रिपाठी, शिक्षा अधिकारी श्री . महेश पालकर के साथ-साथ सभी उप शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे . महापौर . किशोरी पेडनेकर ने आगे मार्गदर्शन करते हुए कहा कि सीखने की प्रक्रिया जीवन के अंत तक एक सतत प्रक्रिया है और बीएमसी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है . महापौर ने कहा कि सीबीएससी, आईसीएसई बोर्ड के स्कूलों को प्रतिबद्धता से शुरू किया जा रहा है . उन्होंने पुरस्कार विजेता शिक्षकों को भी बधाई दी और उन शिक्षकों को बधाई दी जिन्होंने पुरस्कार प्राप्त नहीं किया था . शिक्षा समिति के अध्यक्षा श श्रीमती . संध्या दोशी ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि नगर निगम के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र गरीब परिवारों से हैं और नगर निगम के शिक्षक उन्हें वास्तविक बनाने के लिए काम कर रहे हैं . उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षकों की असली परीक्षा इसी में होती है और मनपा के सभी शिक्षक आदर्श होते हैं . मेरी स्कूली शिक्षा भी एक नगरपालिका स्कूल में हुई थी और उन्होंने पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई दी थी . स्थानीय पार्षद श्री . रमाकांत रहाटे ने मार्गदर्शन देते हुए कहा कि माता-पिता के बाद, शिक्षक ही उनके सच्चे शिक्षक हैं और वह हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रयास करते है . उन्होंने सभी पुरस्कार विजेता शिक्षकों को बधाई दी . शिक्षा अधिकारी श्री . महेश पालकर ने अपने परिचय में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की .

न्यूज. ब्रीफ

खिलाड़ी अपनी सुरक्षा के लिए जैव-सुरक्षित प्रोटोकॉल का पालन करें : डी-कॉक

सेंचुरियन। श्रीलंका के साथ 26 दिसंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले दक्षिण अफ्रीका के नये टेस्ट कप्तान क्विंटन डी कॉक ने कहा है कि उनके साथी खिलाड़ी कोरोना संक्रमण से बचने जैव-सुरक्षित प्रोटोकॉल का स्वयं पालन करें। वहीं इससे पहले इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच 3 मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को कोरोना संक्रमण के कुछ मामले सामने आने के कारण स्थगित कर दिया गया था। दक्षिण अफ्रीका की जैव-बुलबुला व्यवस्था श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला से पहले ही संदेह के घेरे में आ गई है जब दक्षिण अफ्रीकी टीम के दो सदस्य कोविड पॉजीटिव पाये गये। वहीं श्रीलंकाई कोच मिकी आर्थर कोरोनोवायरस के डर के बीच टीम के आगमन की आवश्यक व्यवस्था करने के लिए दक्षिण अफ्रीका पहुंचे थे।

रिजवान और हफीज की साझेदारी से पाक ने तीसरा टी20 मैच जीता

नेपियर। पाकिस्तान की टीम ने सलामी बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान के अर्धशतक और मोहम्मद हफीज के साथ उनकी शानदार साझेदारी की सहायता से तीसरे टीम20 मुकाबले में मेजबान न्यूजीलैंड की टीम को 4 विकेटों से हरा दिया। सीरीज के पहले दो मैच मेजबान टीम ने जीते थे ऐसे में उसने 2-1 से सीरीज अपने नाम की है। इस मैच में टॉस जीतकर पाक ने मेजबान कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया न्यूजीलैंड ने 20 ओवरों में सात विकेट पर 173 रन बनाये। इस प्रकार पाक को जीत के लिए 174 रनों का लक्ष्य मिला जो उसने छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। पाक की ओर से रिजवान ने 89 और हफीज ने 41 रन बनाये। इन दोनो की साझेदारी की बदौलत ही टीम को जीत मिली।

दर्शकों के बिना खेलना अजीब अनुभव: मैसी

बार्सिलोना। अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनल मैसी ने कहा है कि दर्शकों के बिना खाली स्टेडियमों मे खेलना भयावह और अजीब अनुभव है। इससे ऐसा लगता है जैसे की किसी अभ्यास सत्र में भाग ले रहे हों। कोरोना महामारी के कारण आजकल सभी मैच दर्शकों के बिना ही खेले जा रहे हैं। संक्रमण के खतरे को देखते हुए सभी खेलों में स्टेडियम में दर्शकों की मौजूदगी पर प्रतिबंध लगा हुआ है। ला लीगा के पिछले सत्र में शीर्ष स्कोरर रहने पर अवार्ड मिलने के बाद मैसी ने कहा, ह्यदर्शकों के बिना खेलना भयावह है और इससे काफी अजीब लगता है। यह सच है कि ऐसे में माहौल में खेलना कठिन है और इससे प्रदर्शन भी प्रभावित होता है।' उन्होंने कहा, इस महामारी से फुटबॉल पर काफी प्रभाव पड़ा है। इसने काफी हद तक खेल को बदल कर रख दिया है। आप इसे मुकाबलों में भी देख सकते हैं।

मार्कस थुरम पर 5 मैचों का लगाया प्रतिबंध

बर्लिन। बुंदेसलीगा फुटबॉल टूनार्मेंट के एक मैच के दौरान फुटबॉल क्लब बोरूसिया मोनशेनग्लाबाख के स्ट्राइकर मार्कस थुरम पर होफेनहीम टीम के खिलाड़ी पर थूकने के लिए पांच मैचों का प्रतिबंध लगाया गया है। जर्मन फुटबॉल महासंघ ने कहा कि यह प्रतिबंध जर्मन कप और बुंदेसलीगा में लागू होगा हालांकि थुरम पर एक मैच का निलंबित प्रतिबंध भी बना रहेगा जो 21 दिसंबर 2021 तक अच्छे बर्ताव की शर्त पर निर्भर करेगा। मैच के दौरान बहस के बाद थुरम ने डिफेंडर स्टीफन पोश पर थूक दिया था। वहीं रैफरी फ्रेंक विलेनबर्ग ने वीडियो देखने के बाद थुरम को मैदान से बाहर भेज दिया और पोश को पीला कार्ड दिखाया। होफेनहीम ने यह मुकाबला 2-1 से जीता। इस मामले में महासंघ ने सोमवार को थुरम पर 40 हजार यूरो (50 हजार डॉलर) का जुर्माना भी लगाया है।

विराट-अनुष्का को ट्रोल करने वालों पर भड़के प्रज्ञान ओझा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर प्रज्ञान ओझा ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद कप्तान विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को ट्रॉल करने वाले लोगों को आड़ें हाथों लिया है। बॉर्डर-गावस्कर सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने के बाद विराट अपने पहले बच्चे के जन्म को देखते हुए अपने परिवार के पास लौट रहे हैं। जिसको लेकर कुछ लोगों ने विराट की आलोचना भी की है। सीरीज

के पहले टेस्ट मैच में टीम इंडिया दूसरी पारी में महज 36 रन ही बना सकी, जो टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का सबसे कम स्कोर भी है। इस मैच में भारत को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा और इसके बाद से ही इन लोगों ने विराट के स्वदेश वापसी को लेकर सवाल खड़े किये हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से विराट ने पैटरनिटी लीव मांगी थी और बोर्ड ने उन्हें इस खास मौके के लिए पैटरनिटी लीव दी थी। जनवरी में विराट और अनुष्का माता-पिता बनने वाले हैं। प्रज्ञान ने कहा, 'हमें किसी की निजी जिंदगी का सम्मान करना चाहिए। जब कोई कुछ फैसला लेता है, यह उसका अपना फैसला होता है। वह (विराट) इसको लेकर एकदम साफ थे कि उन्हें इस खास मौके पर अपनी पत्नी के साथ होना है और उन्हें सपोर्ट करना है और उन्होंने यह संदेश दौरे से पहले ही बोर्ड को दे दिया था। पहला टेस्ट मैच हारने के बाद अचानक से लोग अनुष्का को भी ट्रोल करने लगे। ओझा ने ऐसे लोगों को फटकारा है।

| पैटरनिटी लीव पर विराट: बॉक्सिंग डे टेस्ट 26 दिसंबर से |

टीम को कोहली का मंत्र: पिछली हार भूल आने वाले मैचों पर फोकस करें

टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली मंगलवार को पैटरनिटी लीव के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत के लिए रवाना हो गए। 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में करारी हार झेल चुकी टीम इंडिया अब बाकी मैच विराट की जगह अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में खेलेगी। भारत रवाना होने से पहले उन्होंने टीम इंडिया को सक्सेस मंत्र दिया।

उन्होंने टीम को हिदायत दी कि वे पिछली हार को भूलकर आने वाले मैचों पर फोकस करें और खुद पर भरोसा रखें। सूत्रों के मुताबिक, कोहली ने आज सुबह टीम के साथ मीटिंग की। मीटिंग में उन्होंने रहाणे को आधिकारिक तौर पर टीम की कप्तानी सौंपी। उन्होंने पिंक बॉल टेस्ट के बाद टीम के खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया और यंग टैलेंट से खुद को साबित करने की बात कही।

स्मिथ ने कहा- विराट कोहली को मिस करेंगे

ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कोहली के फैसले का समर्थन किया। स्मिथ ने कहा, 'मैं उनकी स्थिति समझ सकता हूं। हम चाहते है कि वे पहले बच्चे के जन्म के समय अपनी पत्नी और परिवार के साथ रहें। हालांकि बचे मैचों में हम उन्हें मिस करेंगे।'

रोहित शर्मा तीसरे मैच में टीम के साथ जुड़ेंगे

रोहित शर्मा तीसरे टेस्ट मैच से टीम के साथ जुड़ सकते हैं। रोहित फिलहाल सिडनी में क्वारैंटाइन हैं। दूसरी ओर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने भी स्पष्ट किया है कि रोहित सिडनी में ही क्वारैंटाइन पूरा करेंगे। टीम मैनेजमेंट उनसे संपर्क में है। वे बायो-सिक्योर माहौल में है और सुरक्षित हैं। कोहली ने वनडे सीरीज के 3 मैच में 57.67 की औसत से 173 और टी-20 सीरीज के 3 मैच में 44.67 की औसत से 134 रन बनाए थे। वहीं, पहले टेस्ट की दोनों पारियों को मिलाकर उन्होंने 78 रन बनाए थे। कोहली इस साल अपने डेब्यू के बाद पहली बार एक भी शतक नहीं लगा सके हैं।

टीम इंडिया को पहले टेस्ट में हार का सामना करना पड़ा था

टीम इंडिया को पहले टेस्ट में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया से बढ़त लेने के बावजूद ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 8 विकेट से हरा दिया था। भारतीय टीम दूसरी पारी में 36 रन ही बना सकी थी। इसके बाद पूर्व खिलाड़ियों और फैन्स ने टीम इंडिया की जमकर आलोचना की थी।

जोकोविच, फेडरर, नडाल और तियाफोई को मिले एटीपी अवार्ड

लंदन। साल 2020 में विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच, स्विटजरलैंड के रोजर फेडरर, स्पेन के राफेल नडाल और फ्रांसिस तियाफोई को एटीपी अवार्ड मिले हैं। जोकोविच ने इस साल छठी बार साल का अंत विश्व के नंबर एक खिलाड़ी के रूप में किया। उन्होंने 2020 में रिकॉर्ड 8वें ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब सहित कुल 4 खिताब जीते हैं। वहीं अमेरिकी ओपन चैम्पियन मेट पाविच और ब्रूनो सोरेस की जोड़ी युगल में नंबर एक रही। इस साल केवल 6 एकल मुकाबले खेलने वाले फेडरर एकल वर्ग में प्रशंसकों के सबसे पसंदीदा खिलाड़ी रहे। उन्हें लगातार 18वें साल इस पुरस्कार के लिए चुना गया और उन्होंने अपने रिकॉर्ड को आगे बढ़ाया। वहीं फ्रैंच ओपन में अपना 13वां खिताब जीतने वाले नडाल को लगातार तीसरे साल और कुल चौथी बार स्टीफन एडबर्ग खेल भावना पुरस्कार मिला। तियाफोई को उनकी सामाजिक गतिविधियों के लिए आर्थर ऐश मानवता पुरस्कार दिया गया। स्पेन के 17 साल के कार्लोस अलकारेज को साल का उभरता हुए खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने तीन चैलेंजर खिताब जीते।

योजना — बैंक को इन कंपनियों को दी गई सेवाओं से अच्छा खासा चार्ज और कमीशन मिलेगा

अवसर को भुनाने की योजना: बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में ऑनलाइन विंडो खोलेगा आईसीआईसीआई बैंक

- विदेशी बैंकों के सामने आने वाली चुनौतियों का फायदा उठाना चाहता है आईसीआईसीआई बैंक

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी बैंकों के चालू खाता (करेंट अकाउंट) खोलने पर हाल ही में प्रतिबंध लगाने के बाद आईसीआईसीआई बैंक बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए एक नया ऑनलाइन विंडो खोल रहा है। इसके जरिए आईसीआईसीआई बैंक चीन के विकल्प के रूप में देश की क्षमता का लाभ उठाना चाहता है। साथ ही विदेशी बैंकों के सामने आने वाली चुनौतियों का फायदा भी उठाना चाहता है।

बैंक की कार्यकारी निदेशक (ईडी) विशाखा मुले ने कहा कि भारत में मजबूत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और देश के युवा डेमोग्राफिक प्रोफाइल बहुत ही अच्छे हैं। विदेशी निवेश के लिए भारत को एक आकर्षक डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित करने के सरकारी उपायों से बैंक को विदेशी बैंकों से बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में मदद मिलेगी। चीन के साथ भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है लेकिन हाल ही में चीन का दबदबा कम हो रहा है। मुले ने कहा कि भारत में विकसित किया गया डिजिटल इकोसिस्टम है जो लंबे समय में शासन और पैरामीटर्स में सुधार करने में मदद करेगा। ट्रेजरी, फॉरेक्स, लोन, लेटर्स ऑफ क्रेडिट और बैंक गारंटी जैसी बैंकिंग सेवाओं के अलावा यह बैंक एक बिजनेस इकाई, कॉर्पोरेट फाइलिंग, लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन, एचआर सेवाओं, कंप्लायंस और टैक्स जैसी सलाहकार और अन्य सेवाएं भी ऑफर करेगा।

आईसीआईसीआई बैंक का अनुमान है कि भारत में करीब 4000 से 5000 बहुराष्ट्रीय कंपनियां हैं। इनमें से 1500 बैंक के क्लाइंट हैं।

चुनौती के रूप में होगा यह कदम

आईसीआईसीआई बैंक का यह नया कदम बहुराष्ट्रीय बिजनेस के लिए सिटी बैंक, एचएसबीसी, बैंक ऑफ अमेरिका, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, डीबीएस और जेपी मॉर्गन को चुनौती देगा। यह अगस्त में आए आरबीआई के एक सर्कुलर के बाद हुआ है। इस सर्कुलर में कहा गया था कि जिन बैंकों के पास कैश क्रेडिट या ओवरड्राफ्ट (सीसी/ओडी) सुविधाएं नहीं हैं, वे किसी भी कर्जदार के लिए चालू खाता नहीं खोल सकते। जिन विदेशी बैंकों के पास भारत में सीमित पूंजी है, वे इस सर्कुलर से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। क्योंकि उनके पास इन कंपनियों को बड़ी क्रेडिट लाइन देने के लिए बैलेंस शीट की ताकत नहीं है।

बैंक को इन सेवाओं से चार्ज और कमीशन मिलने की उम्मीद है जो सीधे बैंक के ऑपरेटिंग फायदे को बढ़ाएगा। इन कंपनियों को क्रेडिट की जरूरत नहीं है। क्रेडिट को हम केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं। मुले ने कहा कि हम उन्हें मंजूरी मिलने और नियमों को समझने में मदद करके सिस्टम को नेविगेट करने में मदद करना चाहते हैं।

एएए रेटेड पर होगा फोकस

मुले ने कहा कि उनका बैंक इन कंपनियों को लोन देने के लिए तैयार है जिनमें से ज्यादातर एएए रेटेड है। हालांकि लोन देना इस बैंक का पहला उद्देश्य नहीं है। बैंक का कुल कॉर्पोरेट फंड और विदेशी शाखाओं का बकाया फंड 30 सितंबर के अंत में 6.41 बिलियन डॉलर से 5.47 अरब डॉलर हो गया है। एक साल पहले यह 8.35 बिलियन डॉलर था। 66 प्रतिशत बकाया भारतीय कंपनियों और उनकी सहायक कंपनियों पर है जबकि 17 प्रतिशत भारतीय या भारत से जुड़ी गैर-भारत कंपनियों के लिए था। मुले ने कहा कि बैंक भारत और भारत से जुड़ी कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेगा लेकिन वह भारत की ओर देख रही कंपनियों में भी विस्तार करना चाहता है।

1 जनवरी से बदल जाएंगे ये नियम इनका आप पर होगा सीधा असर

नई दिल्ली। नए साल की शुरुआत यानी 1 जनवरी, 2021 से आपकी रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े नियम बदलने वाले हैं। 1 जनवरी से चेक पेमेंट से जुड़े नियम बदल जाएंगे। इसके तहत 50,000 रुपये से अधिक भुगतान वाले चेक के लिए पॉजिटिव पे सिस्टम (सकारात्मक भुगतान व्यवस्था) लागू होगा। देश में तेजी से बढ़ते बैंकिंग धोखाधड़ी रोकने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह अहम फैसला लिया। इसके अलावा 1 जनवरी से सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होगा। हालांकि, दिसंबर में 2 बार रसोई गैस की कीमतें बढ़ चुकी हैं, अब ये देखना होगा कि नए साल में तेल कंपनियां सिलेंडर की कीमत बढ़ाती है या नहीं? आइए जानते हैं इन नियमों के बारे में..

बदल जाएगा चेक से पेमेंट का तरीका-पॉजिटिव पे सिस्टम एक स्वचालित टूल है जो चेक के जरिये धोखाधड़ी करने पर लगाम लगाएगा। इसके तहत, जो व्यक्ति चेक जारी करेगा, उन्हें इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से चेक की तारीख, लाभार्थी का नाम, प्राप्तकर्ता और पेमेंट की रकम के बारे में दोबारा जानकारी देनी होगी। चेक जारी करने वाला व्यक्ति यह जानकरी एसएमएस, मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग या एटीएम जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से दे सकता है। इसके बाद चेक पेमेंट से पहले इन जानकारियों को क्रॉस-चेक किया जाएगा। अगर इसमें कोई गड़बड़ी पाई जाएगी चेक से भुगतान नहीं किया जाएगा और संबंधित बैंक शखा को इसकी जानकरी दी जाएगी। बैंक 50,000 रुपये और उससे ऊपर के सभी भुगतान के मामले में खाताधारकों के लिए नया नियम लागू करेंगे। तेल कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतें तय करती है। यानी, 1 जनवरी से सिलेंडर की कीमतों में बदलाव होगा। हालांकि, इस बार 1 दिसंबर को कीमतें बढ़ाने की जगह तेल कंपनियों ने तीन दिसंबर को दाम बढ़ाए। अब तक दिसंबर में दो बार रसोई गैस की कीमतें बढ़ चुकी हैं। कंपनियों ने इस महीने सिलेंडर की कीमतों में कुल 100 की बढ़ोतरी कर चुकी है। अब ये देखना होगा कि नए साल में तेल कंपनियां सिलेंडर की कीमत बढ़ाती है या नहीं।

कम प्रीमियम पर मिलेगी टर्म प्लान पॉलिसी-नए साल यानी 1 जनवरी से आप कम प्रीमियम में सरल जीवन बीमा (स्टैंडर्ड टर्म प्लान) पॉलिसी खरीद सकेंगे। भारतीय बीमा विनियामक इरडा ने बीमा कंपनियों को आरोग्य संजीवनी नामक स्टैंडर्ड रेग्युलर हेल्थ इंश्योरेंस प्लान पेश करने के बाद एक स्टैंडर्ड टर्म लाइफ इंश्योरेंस पेश करने का निर्देश दिया था। उसी निर्देश को पालन करते हुए बीमा कंपनियां 1 जनवरी से सरल जीवन बीमा पॉलिसी लॉन्च करने जा रही है। नए बीमा प्लान में कम प्रीमियम में टर्म प्लान खरीदने का विकल्प मिलेगा। साथ ही सभी बीमा कंपनियों के पॉलिसी में शर्तों और कवर की राशि एक समान होगी।

बदल जाएगा जीएसटी रिटर्न जमा करने का तरीका-सरकार ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली के तहत छोटे करदाताओं के लिए तिमाही रिटर्न दाखिल करने और करों के मासिक भुगतान (क्यूआरएमपी) की योजना शुरू की है। ऐसे करदाता जिनका पिछले वित्त वर्ष में वार्षिक कारोबार पांच करोड़ रुपये तक रहा है और जिन्होंने अपना अक्टूबर का जीएसटीआर-3बी (बिक्री) रिटर्न 30 नवंबर, 2020 तक जमा कर दिया है, इस योजना के पात्र हैं। जीएसटी परिषद ने पांच अक्तूबर को हुई बैठक में कहा था कि पांच करोड़ रुपये तक के कारोबार वाले पंजीकृत लोगों को एक जनवरी, 2021 से अपना रिटर्न तिमाही आधार पर दखिल करने और करों का भुगतान मासिक आधार पर करने की अनुमति दी जा सकती है।

बैंक खाता बंद करवाते समय वसूले जाने वाले शुल्क से बचने के लिए अपनाएं ये तरीके

नई दिल्ली। कई बचत खाता रखना परेशानी का सबब बन जाता है। बैंक में बचत खाता को एक्टिव रखने के लिए औसत तिमाही बैंलेस बनाए रखना पड़ता है। इसके अलावा आयकर रिटर्न में भी सबकी जानकारी देनी होती है। ऐसे में अगर आप अपने किसी बैंक खाता का इस्तेमाल नहीं करते हैं तो उसे बंद करा देना ज्यादा बेहतर विकल्प है। हालांकि, बैंक खाता बंद करने के लिए शुल्क भी वसलूते हैं। सरकारी और निजी बैंकों में इसके लिए अलग-अलग शुल्क है। कुछ मामलों में खाता बंद कराने पर शुल्क देने से बच भी सकते हैं।

सबसे पहले अकाउंट डी-लिंक करें-बचत खाते को बंद करने से पहले आपके लिए यह देखना जरूरी है कि उस खाते से कोई निवेश या ट्रेडिंग अकाउंट तो लिंक नहीं है।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका, पहले टेस्ट मैच से बाहर हुआ यह खिलाड़ी

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम इन दिनों न्यूजीलैंड के दौरे पर है। जहां वह पहले टी20 सीरीज खेल चुकी है। अब उन्हें दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलना है। टी20 सीरीज में पाकिस्तान का प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। पहले दोनों मैचों में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा था। इस बीच टेस्ट सीरीज से पहले टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम के प्रमुख आल-राउंडर शादाब खान चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर हो चुके हैं। न्यूजीलैंड के हाथों 2-1 से टी20 सीरीज़ गंवाने के बाद पाकिस्तानी टीम हर हाल में टेस्ट सीरीज जीतना चाहेगी। लेकिन 26 दिसम्बर से शुरू हो रहे टेस्ट से पहले टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के आल-राउंडर शादाब खान चोट के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह जफर को मौका मिला है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी शादाब के खेलने पर पुष्टि कर दी है। शादाब खान अक्टूबर-नवंबर में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेली गई सीरीज़ में भी टीम का हिस्सा नहीं थे।

सूर्यकुमार यादव ने अर्जुन तेंदुलकर के एक ओवर में ठोके 21 रन-पाकिस्तानी टीम पहले से ही बाबर आजम के फिटनेस को लेकर चिंतित है।अंगूठे की चोट से उबर रहे पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम का न्यूजीलैंड के खिलाफ माउंट मॉनगानुई में 26 दिसंबर से शुरू होने वाले पहले टेस्ट क्रिकेट में खेलना संदिग्ध है। पिछले साल से पाकिस्तान की तरफ से तीनों फॉर्मेट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बाबर 12 दिसंबर को क्वीन्सटाउन में प्रैक्टिस के दौरान चोटिल हो गए थे जिसके कारण वह तीन मैचों की टी-20 सीरीज से बाहर हो गए थे।

ईशांत शर्मा ने अजिंक्य रहाणे को बताया गेंदबाजों का कप्तान

कैप्टेंसी को लेकर दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों के लिए टीम की कमान अजिंक्य रहाणे सौंप कर पैटरनिटी लीव पर भारत के लिए रवाना हो गए। अब अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व भारतीय टीम बाकी बचे तीनों मैच में ऑस्ट्रेलिया का मुकाबला करने मैदान में उतरेगी। इसी बीच भारत के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा का कहना है कि अजिंक्य रहाणे गेंदबाजों के कप्तान हैं और अपने शांत स्वभाव और खिलाड़ियों से स्पष्ट बात के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बाकी तीन मैचों में अच्छी कप्तानी करेंगे। नियमित कप्तान विराट कोहली पैटरनिटी लीव पर स्वदेश लौटने के कारण रहाणे बाकी तीन टेस्ट में भारत की कप्तानी करेंगे। चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे से बाहर चल रहे ईशांत शर्मा ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा कि रहाणे काफी चुप रहते हैं और आत्मविश्वास से ओतप्रोत है। मैं जरूर कहूंगा कि वह गेंदबाजों का कप्तान है। ईशांत ने कहा कि जब भी हमने

साथ खेला है और विराट मैदान पर नहीं है तो वह मुझसे पूछता है कि कैसी फील्ड चाहिए। उन्होंने कहा कि रहाणे कभी आदेश नहीं देता। उसे अच्छी तरह से पता है कि उसे टीम से क्या चाहिए। कोहली की गैर मौजूदगी में ऑस्ट्रेलिया और अफगानिस्तान के खिलाफ रहाणे की कप्तानी में भारत ने दोनों टेस्ट जीते हैं। ईशांत ने कहा कि आपको उसकी कप्तानी से पता चल जाएगा कि वह कैसा इंसान है। वह काफी शांत और स्थिर है। ऐसा नहीं है कि वह मजाकिया नहीं है। वह हमारे साथ काफी मजाक मस्ती करते हैं और वह दबाव के क्षणों में शांत रहते हैं। उसके साथ तनाव नहीं रहता और वह गेंदबाजों से बखूबी बात करता है। विराट कोहली के बारे में ईशांत ने बताया कि अगर कोई साझेदारी बन रही है और फील्डरों के करने के लिए कुछ नहीं है तो ऐसे में एक खिलाड़ी की ऊर्जा सारा परिदृश्य बदल देती है। विराट ऐसी ऊर्जा का स्रोत है। उसकी ऊर्जा का कोई मुकाबला नहीं है।

बच्चों की यूनीफॉर्म सिलकर ग्रामीण महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए

ग्वालियर। हर रोज मुँह अंधेरे से ही घर की झाड़ू-बुहारू, चौका-बासन, कंडे थापना और रसोई तैयार करना जिन महिलाओं की दिनचर्या बन चुकी थी। इन महिलाओं के हाथ अब केवल घर के कामकाज तक ही सीमित न रहकर स्कूली बच्चों के सुंदर-सुंदर गणवेश (यूनीफार्म) गढ़ रहे हैं। ग्वालियर जिले की ग्रामीण महिलाओं ने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत बने स्व-सहायता समूहों में संगठित होकर आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए हैं। ग्रामीण महिलाओं के ÷दीदी गारमेन्ट÷ पर उपलब्ध स्कूली बच्चों की यूनीफार्म व अन्य रेडीमेड कपड़ों की धूम शहरों तक पहुँच रही है। ग्वालियर जिले की जनपद पंचायत डबरा के विभिन्न ग्रामों में ग्रामीण आजीविका मिशन के 14 स्व-सहायता समूहों से जुड़ीं लगभग 135 महिलायें स्कूली बच्चों के गणवेश तैयार करने में जुटीं हैं। ये महिलायें अब तक 35 हजार से अधिक गणवेश सिलकर तैयार कर चुकीं हैं। इन महिलाओं को सरकारी स्कूल के एक लाख 20 हजार बच्चों के लिये गणवेश तैयार करने का काम मिला है। ग्राम धवा के शीतला माँ स्व-सहायता समूह से जुड़ीं श्रीमती सीमा कुशवाह कहती हैं कि हम सब महिलाओं ने सपने में भी नहीं सोचा था कि घरेलू कामकाज से ऊपर उठकर घर की आर्थिक जिम्मेदारी भी संभालेंगे। हमारे जीवन में यह बदलाव स्व-सहायता समूह से जुड़ने से आया है। ग्राम कल्याणी के जय श्री राम स्व-सहायता समूह से जुड़ीं श्रीमती नीतू कुशवाह व अली स्व-सहायता समूह की श्रीमती रहीसा बेगम, ग्राम छीमक के लक्ष्मीबाई स्व-सहायता समूह की श्रीमती पुष्पा कुशवाह एवं ग्राम समूदन के विश्वहरि स्व-सहायता समूह से जुड़ीं श्रीमती अनीता भी स्कूली गणवेश निर्माण सहित अन्य आर्थिक गतिविधियों को बखूबी ढंग से संचालित कर रही हैं। इन सबका कहना है कि अब हम सबको छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिये दूसरों का मुँह नहीं ताकना पड़ता। इतना ही नहीं जब वैश्विक महामारी कोरोना ने पाँव पसारे तब इन महिला स्व-सहायता समूहों ने मास्क व सेनेटाइजर से लेकर पीपीई किट तक तैयार किए और ग्वालियरवासियों को सस्ती दर पर उपलब्ध कराए। साथ ही सर्व ग्वालियर एप प्लेटफार्म के माध्यम से लॉकडाउन के दौरान घर-घर सब्जी पहुँचाने का काम भी इन महिलाओं ने बखूबी ढंग से किया। स्व-सहायता समूहों में संगठित बहुत सी महिलायें मसाला उद्योग, मुर्गी पालन, वर्मी कम्पोस्ट, मशरूम उत्पादन इत्यादि आर्थिक गतिविधियों से भी जुड़ी हैं। जिला पंचायत द्वारा इन सभी महिलाओं को राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत आर्थिक गतिविधि संचालित करने के लिये बहुआयामी प्रशिक्षण भी दिलाया है। साथ ही इनके उत्पादों को बाजार मुहैया कराने में भी मदद की है। महिला सशक्तिकरण की नई इबारत लिख रहीं इन ग्रामीण महिलाओं ने शहरी एवं पढ़ी-लिखी महिलाओं के लिये भी नजीर पेश की है। इनसे प्रेरित होकर जिले की अन्य महिलायें भी स्व-सहायता समूहों से जुड़ने के लिये आगे आ रही हैं।

देश को आगे बढ़ाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा-करूणा सक्सेना

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)। रोट्रेक्ट क्लब ऑफ ग्वालियर रीगल द्वारा आयोजित ऑनलाइन युवा संगोष्ठी में शहर की जानमानी शख्सियत कवियत्री तथा पार्षद करूणा सक्सैना ने अपना वक्तव्य पेश करते हुए कहा भारत विश्व का सबसे युवा देश है और युवाओं के पास भरपूर ऊर्जा है इसको सही मार्गदर्शन देकर देश के नवनिर्माण के लिए युवाओं को तैयार कर सकते है आव्हान करते हुये युवाओं से करूणा सक्सैना ने कहा कि देश के लिए उत्थान के लिए आप सभी अपना योगदान अवश्य करें।कार्यक्रम का संचालन मानसी चौहान तथा आभार व्यक्त क्लब अध्यक्ष आकाश बरूआ ने किया इस मौके पर क्लब की आयुषी अग्रवाल ,पूनम सिंह ,इशिका श्रीवास्तव ,विशाल मिश्रा,अभिषेक पाठक,मोहित कुमार आदि सभी सदस्य उपस्थित रहे।

अन्नपूर्णा महिला मंडल द्वारा विशाल भंडारा आयोजित

दबोह(अर्पित गुप्ता)

नगर की सिद्धपीठ मां अन्नपूर्णा देवी के दरबार में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया।इस भव्य आयोजन से पहले मंदिर में मां की प्रतिमा के समक्ष श्रद्धालुओं ने विधि-विधान के साथ प्रसाद अर्पित किया।तदोपरांत भण्डारे का आयोजन किया गया।भण्डारे का यह क्रम दोपहर से शुरू होकर देर रात तक चलता रहा और रात में इसने एक विशाल भंडारे का रूप ले लिए जिसमे लगभग 1200 लोगो ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की।नगर में यह भंडारे का आयोजन मां अन्नपूर्णा महिला मंडल द्वारा किया गया।यहां बता दें कि अन्नपूर्णा महिला मंडल में अर्चना गुप्ता,ममता गुप्ता,रेखा गुप्ता,सुशीला सोनी,संध्या श्रीवास्तव,मंजू श्रीवास्तव,रेखा कोठरी,अनीता गुप्ता,रानी गुप्ता,पिंकी पाराशर,रेखा गुप्ता,ममता मिश्रा,ममता गुप्ता, रानी दीक्षित,भुना चौहान आदि महिलाएं शामिल हैं।

शहर की यातायात व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिये सभी विभाग कार्य करें

संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने किया शहर की यातायात व्यवस्था का निरीक्षण

ग्वालियर। शहर के यातायात प्रबंधन के लिये सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें। आम जनों को बेहतर यातायात व्यवस्था उपलब्ध कराना हमारा मुख्य उद्देश्य है। संभागीय आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने बुधवार को शहर की यातायात व्यवस्था के साथ-साथ वीडियोकोच बस स्टेण्ड, मैकेनाईज्ड पार्किंग और अस्थायी बस स्टेण्ड का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने पार्किंग का उपयोग और बेहतर ढंग से कराने के निर्देश भी दिए हैं। निरीक्षण के दौरान नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह, एडिशनल एसपी श्री पंकज पाण्डेय, अपर आयुक्त नगर निगम श्री नरोत्तम भार्गव सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने झांसी रोड़ बस स्टेण्ड के समीप वीडियोकोच बसों के संचालन के लिये बनाए गए बस स्टेण्ड का अवलोकन किया। उन्होंने वीडियो कोच बसों का संचालन तत्काल झाँसी रोड़ से कराने के निर्देश दिए। जहाँ पर व्यवस्थित लाईटिंग, साफ-सफाई कराने के निर्देश भी नगर निगम अधिकारियों को दिए। पुलिस विभाग के अधिकारियों को कहा गया है कि शहर से संचालित होने वाली सभी वीडियोकोच बसें निर्धारित बस स्टेण्ड से ही संचालित हों, यह सुनिश्चित किया जाए। साथ ही सभी वीडियोकोच बसें इसी स्टेण्ड पर दिन में भी खड़ी रहें। कोई भी वीडियोकोच बस शहर की सड़कों पर खड़ी नहीं रहना चाहिए। जो बसें शहर की सड़कों पर खड़ी पाई जाएं उनके मालिकों के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी की जाए। संभाग आयुक्त श्री सक्सेना ने जयेन्द्रगंज में नगर निगम द्वारा संचालित की जा रही मैकेनाईज्ड पार्किंग का भी अवलोकन किया। पार्किंग को और व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिये आस-पास के व्यापारियों से चर्चा कर उनके वाहन पार्किंग में खड़े कराने की व्यवस्था करने को कहा। इसके साथ ही पुलिस विभाग के अधिकारियों से कहा गया है कि शहर की सड़कों पर खड़े होने वाले चार पहिया वाहनों को उठाकर पार्किंग स्थल पर रखा जाए। ऐसे वाहन मालिकों से यातायात पुलिस चालान की राशि के साथ-साथ पार्किंग संचालक पार्किंग की राशि भी वसूल करें। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन को निर्देशित किया गया कि स्थायी रूप से पार्किंग स्थल पर वाहन खड़े करने वाले व्यापारियों से लेने वाली दरों के संबंध में पुनर्विचार किया जाए। 1800 रूपए प्रतिमाह जो दर निर्धारित है उसके संबंध में पुनर्विचार कर दरों का निर्धारण किया जाए, ताकि अधिक से अधिक व्यापारी पार्किंग में अपने वाहन खड़े कर सकें। पार्किंग स्थल पर साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश भी दिए गए। इसके साथ ही सभी पार्किंग स्थलों पर निगम के माध्यम से दरों के डिस्प्ले बोर्ड लगाने की कार्रवाई भी करने को कहा गया। संभागीय आयुक्त श्री सक्सेना ने इसके पश्चात मोतीमहल स्टेट बैंक के समीप से प्रारंभ किए वैकल्पिक मार्ग का भी अवलोकन किया। वैकल्पिक मार्ग को और व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही नगर निगम एवं पुलिस अधिकारियों को कहा गया कि वैकल्पिक मार्ग पर दुकानदारों को दुकान के सामने वाहन न खड़े होने देने की हिदायत दी जाए।

मुरैना जाने वाली बसों के लिये अस्थायी बस स्टेण्ड बनेगा-संभाग आयुक्त श्री आशीष सक्सेना ने यातायात प्रबंधन के निरीक्षण के दौरान गोला का मंदिर चौराहे का भी निरीक्षण किया। चौराहे पर मुरैना की ओर जाने वाली बसों के कारण यातायात अवरूद्ध को देखते हुए जेबी मंगाराम के सामने स्थित खुली भूमि पर अस्थायी बस स्टेण्ड मुरैना जाने वाली बसों के लिये बनाने के निर्देश भी दिए। इसके लिये निगम की ओर से साफ-सफाई, प्रकाश और अस्थायी शौचालय निर्माण के निर्देश भी दिए गए। संभाग आयुक्त ने यह भी कहा कि यह बस स्टेण्ड अस्थायी रूप से संचालित किया जाए। आने वाले दिनों में भिण्ड और मुरैना की ओर जाने वाली बसों के लिये आईएसबीटी बस स्टेण्ड के पास व्यवस्थायें सुनिश्चित की जाएं। इसके लिये स्मार्ट सिटी के माध्यम से कार्रवाई प्रारंभ हो। निरीक्षण के दौरान एडिशनल एसपी श्री पंकज पाण्डेय ने यातायात प्रबंधन के लिये पुलिस विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। नगर निगम आयुक्त श्री संदीप माकिन ने कहा कि यातायात प्रबंधन के लिये निगम के माध्यम से जो भी कार्य अपेक्षित हैं उन्हें तत्परता से किया जायेगा। वीडियोकोच बसों के लिये बनाए गए बस स्टेण्ड से वीडियोकोच बसें शीघ्र संचालित हों, इसके लिये निगम तत्परता से कार्य करेगा। मोतीमहल के वैकल्पिक मार्ग को भी व्यवस्थित करने का कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है। पार्किंग की व्यवस्था को और बेहतर करने हेतु व्यापारियों से चर्चा भी निगम द्वारा की जायेगी। सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह ने शहर के यातायात प्रबंधन के लिये स्मार्ट सिटी के माध्यम से किए जा रहे कार्यों के साथ-साथ सिटी बस संचालन के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी।

कलेक्टर ने की डबरा एसडीएम कार्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर। नवीन पात्रता पर्चीधारियों को राशन की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। राशन का वितरण उचित मूल्य की दुकान से समय पर और निर्धारित मात्रा में इसकी निरंतर मॉनीटरिंग की जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बुधवार को डबरा निरीक्षण के दौरान विभागीय अधिकारियों की बैठक में यह निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने डबरा एसडीएम कार्यालय में अधिकारियों से चर्चा करते हुए शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ उचित मूल्य की दुकानों से वितरित किए जा रहे खाद्यान्न तथा नवीन पात्रता पर्ची के वितरण और हितग्राहियों को मिलने वाले राशन की उपलब्धता के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने 25 दिसम्बर को प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के द्वारा ऑनलाइन होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा और तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने डबरा अनुभाग क्षेत्र में मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत की जा रही कार्रवाई और एन्टी माफिया अभियान के तहत की जा रही कर्रवाई के संबंध में भी विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने यह भी निर्देशित किया है कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी रूप से किया जाए। बैठक में एसडीएम डबरा श्री प्रदीप कुमार, तहसीलदार श्री रामकुमार सिकरवार, अपर तहसीलदार श्री सीताराम वर्मा, सीईओ जनपद श्री कुलदीप श्रीवास्तव उपस्थित थे।

क्राईम ब्रांच ने अवैध मादक पदार्थ की बिक्री करने वाले तस्कर को किया गिरफ्तारए 01लाख 10 हजार रूपये की स्मैक की जप्त

ग्वालियर। ग्वालियर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघीएभापुसेके निर्देशानुसार अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करने वालों क विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान अति0 पुलिस अधीक्षक क्राईम श्री सतेन्द्र सिंह तोमर एवं डीएसपी क्राईम श्री रत्नेश तोमर व श्री विजय भदौरिया द्वारा क्राईम ब्रांच को मुखबिर तंत्र विकसित कर प्रभावी कार्यवाही करने के लिये निर्देशित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए आज दिनांक 23.02.2020 को थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीण् दामोदर गुप्ता को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि जलालपुर तिराहे के पास स्वर्ण रेखा नाले की पुलिया मुरैना रोड़ पर कुछ्लोगस्मैक बेचने की फिराक में खड़े हुए है। उक्त सूचना पर से तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच ने मय क्राईम टीम के मुखबिर के बताये स्थान की घेराबंदी कर तीन तस्करों को धरदबोचा। पकड़े गये तस्करों की तलाशी लेने पर उसके पास से 28 ग्राम स्मैक कीमती 01 लाख 10 हजार रूपयेद्ध व 5170 रूपये नगद जप्त किये गये। गिरफ्तार तस्करों के विरूद्ध थाना क्राईम ब्रांच में एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर उनसे स्मैक के संबंध में सख्ती से पूछताछ की जा रही है।

रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर। जिले में पदस्थ राजस्व अधिकारियों के मध्य कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नए सिरे से कार्य विभाजन किया है। नए कार्य विभाजन के अनुसार जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिये निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 14-ग्वालियर ग्रामीण के लिये अनुविभागीय राजस्व अधिकारी ग्वालियर ग्रामीण श्री एच बी शर्मा को रजिस्ट्रीकरण एवं तहसीलदार श्री नरेशचंद गुप्ता को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसी तरह विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 15-ग्वालियर के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) ग्वालियर सिटी श्री प्रदीप तोमर को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अपर तहसीलदार ग्वालियर श्री शिवदयाल धाकड़ को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 16-ग्वालियर पूर्व के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुरार श्रीमती पुष्पा पुषाम को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार सिटी सेंटर श्री कुलदीप दुबे को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र-17 ग्वालियर दक्षिण के लिये अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लश्कर श्री अनिल बनवारिया को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार ग्वालियर श्रीमती शिवानी पाण्डेय को सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बनाया गया है।

गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालय सत्र 2020-21 का बकाया शिक्षण शुल्क ले सकेंगे

ग्वालियर। गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालय सत्र 2020-21 की सभी कक्षाओं का बकाया शिक्षण शुल्क सत्र के अंत तक पालकों की सुविधा अनुसार एकमुश्त या किश्तों में ले सकेंगे। कक्षा 9वीं से 12वीं तक कि कक्षाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। इन कक्षाओं के संबंध में संचालित की जाने वाली गतिविधियों के लिए भी जनवरी से सत्र के अंत तक फीस ली जा सकेगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टर्स, संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा और जिला शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देश में स्पष्ट किया गया है कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा गत 4 नवम्बर 2020 को दिए गए अपने निर्णय में निर्देशित किया गया है कि कोरोना महामारी के दृष्टिगत शिक्षण सत्र 2020-21 में अशासकीय विद्यालयों द्वारा शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क प्रभारित नहीं किया जा सकेगा। वर्तमान शैक्षणिक सत्र 2020-21 के लिए आगामी आदेश तक अशासकीय विद्यालय कोई शुल्क वृद्धि नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही विद्यालय में कार्यरत शैक्षणिक तथा गैर शैक्षणिक स्टाफ को नियमित रूप से वेतन का भुगतान किया जाएगा। वेतन 20 प्रतिशत से अधिक कम नहीं किया जा सकेगा और कम किया गया वेतन स्थिति सामान्य होने पर सामान्य किश्तों में 6 माह में लौटाया जायेगा। उल्लेखनीय है कि लॉकडाउन अवधि में गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों की फीस के संबंध में समय-समय पर जारी निर्देश लॉकडाउन अवधि के लिए जारी किए गए थे। वर्तमान में सभी क्षेत्रों में सशर्त अनलॉक की अनुमति दी गई है। अनलॉक की प्रक्रिया के फलस्वरुप विभिन्न कार्यालय, उपक्रम तथा सेवाएं आरंभ हो चुकी हैं। इसलिए पालकों से यह अपेक्षित है कि वह माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार निर्देशित शुल्क नियमित रूप से जमा करें।

बिजली की मांग 15,083 मेगावाट दर्ज

मध्यप्रदेश बिजली सेक्टर के इतिहास में अधिकतम मांग का स्वार्णिम रिकार्ड

ग्वालियर। एम.पी. पावर मैनेजमेंट कंपनी के प्रबंध संचालक श्री आकाश त्रिपाठी ने जानकारी दी है कि मध्यप्रदेश में गत दिवस 22 दिसम्बर को बिजली की अधिकतम मांग का नया स्वर्णिम रिकार्ड बना। राज्य के बिजली सेक्टर के इतिहास में पहली बार बिजली की एक दिन की अधिकतम मांग 15,083 मेगावाट दर्ज हुई। बिजली कंपनियों के बेहतर प्रबंधन और सुदृढ़ नेटवर्क के कारण बिजली की इस अधिकतम मांग की सफलतापूर्वक सप्लाई हुई और प्रदेश में कहीं भी विद्युत व्यवधान नहीं हुआ। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिये अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है।

श्री त्रिपाठी ने बताया की इस रबी सीजन मे 4 दिसम्बर को प्रदेश में बिजली की अधिकतम मांग 14,856 मेगावाट दर्ज हुई थी। पिछले रबी सीजन मे बिजली की अधिकतम मांग 3 फरवरी को 14,555 मेगावाट दर्ज हुई थी। राज्य में इस रबी सीजन मे पच्चीस दिन से बिजली की अधिकतम मांग 14 हजार मेगावाट के ऊपर दर्ज हो रही है। प्रदेश में लगातार बिजली की मांग बढ़ने का मुख्य कारण-कृषि क्षेत्र में बढ़ोत्तरी और इससे सिंचाई के नए साधनों का बढ़ना, शहर के साथ ग्रामीण क्षेत्र में बसाहट का फैलाव व जीवन स्तर में सुधार है। बिजली कंपनियो के बेहतर प्रबंधन और सुदृढ़ नेटवर्क के कारण बिजली की हर अधिकतम मांग की सफलतापूर्वक सप्लाई की जा रही है।

पश्चिम क्षेत्र में बिजली की मांग 5882 मेगावाट-मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (इंदौर व उज्जैन संभाग) में बिजली की अधिकतम मांग 5,882 मेगावाट, मध्यप्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (भोपाल व ग्वालियर संभाग) में 5,082 मेगावाट और मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (जबलपुर, सागर व रीवा संभाग) में 4,119 मेगावाट दर्ज हुई।

प्रदेश में कैसे हुई बिजली सप्लाई-प्रदेश में 22 दिसम्बर को जब बिजली की अधिकतम मांग 15,083 मेगावाट दर्ज हुई, उस समय बिजली की सप्लाई में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी के ताप व जल विद्युत गृहों का उत्पादन अंश 3,487 मेगावाट, इंदिरा सागर-सरदार सरोवर-ओंकारेश्वर जल विद्युत परियोजना का अंश 1,176 मेगावाट , एनटीपीसी व नार्दन रीजन का अंश 4,019 मेगावाट, सासन अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट का अंशदान 1,108 मेगावाट, आईपीपी का अंश 1,532 मेगावाट और बिजली बैंकिंग से 1939 व अन्य स्त्रोत जिनमें नवकरणीय स्त्रोत भी शामिल हैं, से प्रदेश को 1,822 मेगावाट बिजली प्राप्त हुई। प्रदेश में 15,083 मेगावाट बिजली की मांग की सफलतापूर्वक बिजली सप्लाई करने में एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के कंट्रोल रूम व क्षेत्रीय कार्यालय, स्टेट लोड डिस्पेच सेंटर, पावर जनरेटिंग कंपनी के विद्युत गृहों के साथ मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी व राज्य की पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र एवं पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कंट्रोल रूम एवं मैदानी अभियंताओं व कार्मिकों की सराहनीय भूमिका रही।

सम्पर्क व कॉल का समय 11 से 4 बजे तक
॥ श्री गणेशाय नमः ॥
रैरा रजिस्टर्ड फर्म
सौम्या प्रॉपर्टी डीलर
आवासीय, कॉमर्शियल, इन्डस्ट्रीयल, एग्रीकल्चर भूमी खरीदने, बेचने व रैन्ट (किराये) पर लेने, निवेश के लिये एवं प्रॉपर्टी व्यवसाय से जुड़ने के लिये भी सम्पर्क करें :-
9301759475, 9713253992
ऑफिस : शॉप नं. 3-4, तोमर मार्केट, गायत्री मन्दिर वाली गली, पिन्टो पार्क, ग्वा.

PTV NEWS INDIA
प्रतिभा हम निखारेंगे
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
अगर आपके अंदर है कोई जज्बा तो उभर कर आइये आगे आपकी लिखी हुई कहानी, लेख, कविताओं को हम देंगे जगह आपके अंदर की प्रतिभा को हम उभारेंगे ।
तो देर किस बात की हमे भेजें अपनी कविता, लेख, कहानियां फिर देश की आर्थिक स्थति या फिर स्वच्छता के ऊपर अपने विचार
आप हमें व्हाट्सप या मेल भी कर सकते हैं
हमारा उद्देश्य भारत में छिपी प्रतिभाओं को बाहर निकालना।
PUSHPANJALI TODAY न्यूज़ नई सोच नई पहल
Whatsapp :- 9425665944,7999246560, 9691270207
gmail - pushpanjalitoday@gmail.com
नोट - व्हाट्सएप या मेल करते समय ध्यान रखे भेजने वाला व्यक्ति अपनी फोटो ओर नाम/ पता / अवश्य भेंजे

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रॉनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निकट हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478